आज का सुविचार

कुछ लोग केवल सफल होने के सपने देखते हैं जबकि अन्य लोग जाते हैं और इसके लिए कठिन मेहनत करते हैं।

🚺🚼 'आप सरकार को गिराना चाह रही है भाजपा', अमानतुल्लाह की गिरफ्तारी पर बोले संजय

👭 भाजपा का संकल्प पत्र अन्य से अलग

🛮 🖁 अन्तिम पंक्ति के व्यक्ति तक पहुंचायेगे मूलभूत सुविधाये- अग्रवाल

"रोड रेज की बढ़ती महामारी: कार्रवाई का आह्वान" सड़क सुरक्षा ओमनी फाउंडेशन : डॉ. अंकुर शरण

3 ज की तेज-तर्रार दुनिया में, सड़कें न केवल लापरवाही से गाड़ी चलाने के कारण, बल्कि एक मुक खतरे के कारण

भी खतरनाक होती जा रही हैं: रोंड रेज। सड़क पर आक्रामक व्यवहार की यह खतरनाक प्रवृत्ति न केवल दर्घटनाओं का एक प्रमख कारण है. बल्कि सार्वजनिक सुरक्षा के लिए भी एक बड़ा खतरा है। यह जरूरी है कि हम इस मुद्दे के समाधान के महत्व को समझें और इसके हानिकारक प्रभावों के बारे में खुद को और दूसरों को शिक्षित करें।

रोड रेज को समझनाः

रोड रेज को सड़क पर कथित उकसावे या हताशा के जवाब में डाइवर द्वारा प्रदर्शित अत्यधिक क्रोध या आक्रामकता के रूप में परिभाषित किया जा सकता है। यह विभिन्न रूपों में प्रकट होता है, जिसमें चिल्लाना, अशिष्ट इशारे करना, पीछे हटना और यहां तक कि शारीरिक हिंसा भी शामिल है। अक्सर यातायात की भीड़, लापरवाही से गाड़ी चलाने या अन्य ड्राइवरों के कथित अनादर के

कारण सड़क पर होने वाला गुस्सा तेजी से बढ़ता है और इसके विनाशकारी परिणाम हो सकते हैं।

सड्कसुरक्षा परप्रभावः

रोड रेज के परिणाम महज असुविधा से कहीं आगे तक फैले होते हैं। इससे सड़क पर दुर्घटनाओं, चोटों और मत्य का जोखिम काफी बढ जाता है। आक्रामक ड्राइविंग व्यवहार जैसे तेज गति से गाड़ी चलाना, ट्रैफ़िक के बीच में आना-जाना और ट्रैफ़िक सिग्नलों की अनदेखी करना न केवल हमलावर को बल्कि निर्दोष दर्शकों को भी खतरे में डालता है। हाल के अध्ययनों के अनुसार, यातायात दुर्घटनाओं का एक बड़ा प्रतिशत सड़क पर होने वाले गुस्से के कारण होता है, जिससे यह एक गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य चिंता बन जाती है।

साइड इफेक्ट्स को समझनाः

सड़क सुरक्षा पर इसके तत्काल प्रभाव के अलावा, रोड रेज मानसिक और भावनात्मक कल्याण पर भी प्रतिकृल प्रभाव डालता है। गाड़ी चलाते समय आक्रामक व्यवहार करने से तनाव.



चिंता और यहाँ तक कि अवसाद भी बढ़ सकता है। इसके अलावा, जो व्यक्ति रोड रेज का अनुभव करते हैं वे अक्सर इन नकारात्मक भावनाओं को अपने साथ लेकर चलते हैं. जिससे उनके रिश्ते

और जीवन की समग्र गुणवत्ता प्रभावित होती है। चरम मामलों में, रोड रेज हिंसा के कृत्यों तक बढ़ सकता है, जिसके परिणामस्वरूप हमलावर को गंभीर कानूनी परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं।

रोड रेज के मुद्दे को संबोधित करने के लिए शिक्षा, जागरूकता और प्रवर्तन से जुड़े बहुआयामी दुष्टिकोण की आवश्यकता है।

शिक्षाः ड्राइवरों को रोड रेज के खतरों के बारे में शिक्षित करना और उन्हें गाड़ी चलाते समय अपनी भावनाओं को प्रबंधित करने के लिए रणनीतियाँ प्रदान करना आवश्यक है। रक्षात्मक ड्राइविंग पाठ्यक्रम, जन जागरूकता अभियान और स्कूल पाठ्यक्रम संवर्द्धन सभी सुरक्षित और विनम्र ड्राइविंग व्यवहार को बढ़ावा देने में भूमिका निभा सकते हैं।

जागरूकताः मीडिया आउटलेट्स. सामुदायिक संगठनों और सरकारी एजेंसियों को रोड रेज की व्यापकता और परिणामों के बारे में जागरूकता बढाने के लिए मिलकर काम करना चाहिए। वास्तविक जीवन की कहानियों और आँकड़ों को उजागर करके, हम सड़क पर संयम बनाए रखने और साथी डाइवरों का सम्मान करने के महत्व को रेखांकित कर सकते हैं।

प्रवर्तनः कानून प्रवर्तन एजेंसियों को आक्रामक डाइविंग व्यवहार के लिए यातायात कानुनों और दंडों को सक्रिय रूप से लागू करना चाहिए। इसमें बढ़ी हुई गश्त, निगरानी कैमरे और अपराधियों के लिए कठोर दंड शामिल हैं। व्यक्तियों को उनके कार्यों के लिए जवाबदेह ठहराकर, हम भविष्य में रोड रेज की घटनाओं को रोक सकते हैं और जिम्मेदार डाइविंग की संस्कृति को बढावा दे सकते हैं।

रोड रेज एक गंभीर समस्या है जो हमें तत्काल ध्यान देने की मांग करती है। इसके कारणों और परिणामों को समझकर, हम इस महामारी से निपटने के लिए सक्रिय कदम उठा सकते हैं और अपनी सड़कों को सभी के लिए सुरक्षित बना सकते हैं। आइए सड़क पर धैर्य, सहानुभृति और सम्मान को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध हों और साथ मिलकर हम रोड रेज के संकट को समाप्त

(सड़क सुरक्षा ओमनी फाउंडेशन)

परिवहन विभाग की ऑपरेशन शाखा में आज की तारीख में कार्यरत लिंक डीसी अजय सैमल नहीं कर रहे ब्रांच का काम

संजय बाटला

नई दिल्ली। दिल्ली परिवहन विभाग में ऑपरेशन ब्रांच जहा भारत देश के सभी वाहन निर्माताओं द्वारा निर्मित नए वाहनों/ मॉडलों को जांच एजेंसी द्वारा प्रमाण पत्र प्राप्त कर लेने के बाद दिल्ली में बेचने के लिए स्टेट अप्रुवल और ट्रेड सर्टिफिकेट प्राप्त करना अनिवार्य कर रखा है जो ऑपरेशन ब्रांच ही जारी करता है। ऑपरेशन ब्रांच के डीसी इलेक्शन ड्यूटी में पिछले कई दिनों से व्यस्त है और विभाग में आ ही नहीं रहे और उनके लिंक अधिकारी डीसी अजय सैमल आपरेशन ब्रांच का सिर्फ वही काम कर रहे हैं जिस पर विशेष परिवहन आयुक्त

शहजाद आलम निर्देश जारी कर रहे हैं अब चुनाव आयुक्त भारत देश, चुनाव आयुक्त दिल्ली प्रदेश, उपराज्यपाल दिल्ली, परिवहन मंत्री दिल्ली और परिवहन आयुक्त दिल्ली बताएं किस नियम और कानून में यह लिखा या दिशा निर्देश जारी हुए हैं जहा पहले से चालित और आवश्यक कामों को इलेक्शन के नाम से करने से कोई आधिकारी मना करे या उसको आला अधिकारी के द्वारा निर्देश पर ही करे। क्या इसके पीछे छुपा कोई और कारण तो नही क्योंकि परिवहन विभाग में काम रोकने, देरी से करने या आला अधिकारी से निर्देश का अर्थ किसी से छुपा हुआ नही है।



जन सेवा ड्राइवर पार्टी ने पंजाब राज्य की पहली लोकसभा प्रत्याशी की लिस्ट की जारी



नई दिल्ली। जन सेवा ड्राइवर पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रवीण तिवारी व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष तजिंदर सिंह ने लोकसभा चुनाव 2024 की अपनी पहली लिस्ट जारी कर पंजाब उम्मीदवारों की घोषणा की है । इस प्रथम सूची में अमृतसर से कुलजिंदर सिंह, तरन तारन से बलविंदर सिहं, आनंदपुर साहबि से सुखजीत सिहं, लुधियाना से राजीव कुमार मेहरा, फिरोजपुर से मेजर सिंह, गुरदासपुर से रणजोध सिंह, जालंधर से सविन्दर सिंह की घोषणा की गई। इन सातों उम्मीदवार की घोषणा की जानकारी देते हुए प्रदेश अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह उप्पल, कीमती लाल प्रदेश सचिव एवं समस्त उम्मीदवार उपस्थित रहे। अगली सूची

जी.पी.एस.,जी.पी.आर.एस., एवं डिम्ट्स एक भयंकर महामारी : सुभाष कुमार, महासचिव राष्ट्रवादी जन समिति

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। सुभाष कुमार ने ऑटो चालक साथियों से कहा डिम्ट्स और सीम के नाम पर विगत सन 2011,12, से

आपको लुटा जा रहा था, सीम की तो अनगिनत कंपनियां आई और अपने -अपने हिसाब से आपको लुट कर चली गई क्योंकि उन्होंने आपसे सीम बेंचा सर्विस नहीं, क्योंकि जब भी हम मे से किसी का भी आटो चोरी हुआ और उसकी लोकेशन जानना चाहा तो डिम्टस का एक ही जवाब मिलता है आपका जीपीएस काम नहीं कर रहा था पब्लिक नोटीफिकेशन के अनुसार ऑटो रिक्शा को अलग रखा

मफ्त की रेवडी आगे उन्होने कहा जब इसका विरोध आंटो युनियनो ने किया तो सरकार ने इसे बंद करने की बजाय आपको मफ्त की रेवडी थमा कर इसे मफ्त में देना शुरू कर दिया परंतु इसको लेने में जो आपको दिक्कतें आ रही थी वो ज्यों कि त्यों बनी रही, और इससे आपको नुकसान ही हुआ और फायदा मिला कंपनियों और

परिवहन विभाग को। फिर जागें ऑटो रिक्शा युनियन और एसोसिएशन। डिम्ट्स और सीम का पब्लिक नोटीफिकेशन का हवाला देते हुए फिर विरोध किया गया और



सरकार ने इसे बंद कर दिया अब रही मुफ्त की बात तो इन सभी के लिए सिर्फ आपसे पैसे नहीं लिए जा रहे थे परंतु इसके लिए मिलने वाले फंड का अंदरूनी जबरदस्त घोटाले हो रहे थे, हम लोगों ने इसको बंद करा दिया और सरकारी खजाने को और लुटने से बचा लिया। परिवहन विभाग फिर चाहता है सरकारी खजाने में धांधली

इसलिए परिवहन विभाग फिर से डिम्ट्स जीपीएस, सिम जैसी महामारी ऑटो पर फिर थोपने की तैयारी कर रही है। आगे उन्होने कहा परिवहन विभाग ऑटो रिक्शा

> पर डिम्ट्स और सीम फिर से जबरन थोपने की तैयारी कर रहा है वो भी अब मुफ्त नहीं शुल्क लेकर लेकिन कानूनन यह ग़लत है. इसमें आपको समय और आर्थिक नुकसान का सामना करना पड़ सकता है, अगर यह फिर से लागू होगा तो आपके और आपके रोजी रोटी के लिए कोरोना से भी भयंकर महामारी साबित होगा। मेरे प्यारे ऑटो चालक साथियों इस भयंकर महामारी से

आप सबको बचाने के लिए दिल्ली के तमाम यूनियनें, एसोसिएशनें विरोध कर रही है, आपके साथ खड़ी है अब समय आ गया है कि आप सब भी यूनियनो, एसोसिएशनों का साथ दें, और अपने आप को लुटने से बचा लें यानी डिम्ट्स जैसी महामारी से अपने और अपने रोजी रोटी को बचा लें।एक हो जाइये।

"बोरियत पर काबू पानाः युवाओं और बच्चों के लिए युक्तियाँ और आदतें" : डॉ अंकुर शरण

"राह तो सीधी ही है, मोड़ तो

उन्निजएक आदत अगर दखा जाए, जा बहुत आम हो चली है वो है मोबाइल आकर्षण।आजकल मोबाइल में ही मन लगता है ! अब हर चीज़ के फ़ायदे और नुक्सान होते हैं। हम आज नुक्सान से ज्यादा कुछ परिवर्तन की बात करते हैं, जो हमें अपनी आदतों में करना है।

आज की तेज-तर्रार दुनिया में, बोरियत युवाओं और बच्चों को पहले से कहीं अधिक परेशान कर रही है। चाहे यह प्रौद्योगिकी से उत्तेजनाओं की लगातार बमबारी के कारण हो या आकर्षक गतिविधियों की कमी के कारण, खुद को ऊबा हुआ महसूस करना बहुत आम हो गया है। हालाँकि, इस निराशा की भावना से निपटने और ऐसी आदतें विकसित करने के तरीके हैं जो संतुष्टि और आनंद को बढ़ावा देते हैं। बोरियत दूर करने

में मदद के लिए यहां कुछ सुझाव और आदतें कम करता है। युवाओं और बच्चों को खेल,

स्क्रीन टाइम सीमित करें: अत्यधिक स्क्रीन टाइम दिमाग को सुन्न करके और रचनात्मकता को सीमित करके बोरियत की भावनाओं में योगदान कर सकता है। युवाओं और बच्चों को अपने स्क्रीन समय की सीमा निर्धारित करने और अन्य गतिविधियों का पता लगाने के लिए प्रोत्साहित करें जो उनके दिमाग और शरीर को उत्तेजित करती हैं।

शौक में व्यस्त रहें: बच्चों को उनकी रुचियों का पता लगाने और ऐसे शौक ढूंढने के लिए प्रोत्साहित करें जिनका वे आनंद लेते हैं। चाहे वह पेंटिंग हो, संगीत वाद्ययंत्र बजाना हो, या बागवानी हो, शौक में शामिल होने से उद्देश्य और पूर्ति की भावना मिलती है।

शारीरिक गतिविधि को प्रोत्साहित करें: नियमित व्यायाम न केवल शारीरिक स्वास्थ्य में सुधार करता है बल्कि मूड को भी बढावा देता है और बोरियत की भावना को

बाहरी गतिविधियों में भाग लेने या बस टहलने या बाइक की सवारी के लिए प्रोत्साहित करें।

आनंद के लिए पढ़ें: पढ़ना बोरियत से बचने और कल्पनाशक्ति को उत्तेजित करने का एक शानदार तरीका है। बच्चों को विभिन्न शैलियों का पता लगाने और उनकी रुचि को ध्यान में रखने वाली किताबें खोजने के लिए प्रोत्साहित करें।

माइंडफुलनेस का अभ्यास करें: बच्चों को पल में मौजूद रहने और माइंडफुलनेस का अभ्यास करने का महत्व सिखाएं। गहरी साँस लेना, ध्यान या योग जैसी सरल गतिविधियाँ तनाव और बोरियत को कम करने में मदद कर सकती हैं।

कुछ नया सीखें: बच्चों को कुछ नया सीखंकर अपना ज्ञान बढाने के लिए प्रोत्साहित करें। चाहे वह कोई नई भाषा हो. संगीत वाद्ययंत्र हो, या कौशल हो, सीखने से मन व्यस्त और जिज्ञास रहता है।

मेलजोल बढ़ाएं: दोस्तों और परिवार के साथ समय बिताना बोरियत से निपटने और रिश्तों को मजबूत करने का एक शानदार तरीका है। बच्चों को दोस्तों के साथ गतिविधियों की योजना बनाने या परिवार के सदस्यों के साथ गुणवत्तापूर्ण समय बिताने के लिए प्रोत्साहित करें।

लक्ष्य निर्धारित करें और योजनाएँ बनाएँ: बच्चों को अपने लिए लक्ष्य निर्धारित करने और उन्हें प्राप्त करने के लिए योजनाएँ बनाने में मदद करें। चाहे वह शैक्षणिक, व्यक्तिगत, या पाठ्येतर लक्ष्य हों, किसी चीज पर काम करने से उद्देश्य और दिशा की भावना मिल सकती है।

स्वयंसेवक: दयालुता के कार्यों में संलग्न होना और समुदाय को वापस देना पूर्णता और उद्देश्य की भावना प्रदान कर सकता है। बच्चों को स्वेच्छा से अपना समय देने या धर्मार्थ गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करें।

एचआरटीसी की चलती बस के खुल गए पिछले टायर, बाल-बाल बचे 18 यात्री

परिवहन विशेष न्यूज

धर्मपुर/जोगिंद्रनगर (मंडी)। जोगिंद्रनगर से अमृतसर जा रही परिवहन निगम की सेमी डीलक्स बस के नेरी कोटला में अचानक पिछले सभी टायर खुल गए। इस समय बस में 18 यात्री सवार थे, गनीमत यह रही कि बस सड़क पर घिसटते हुए खंडी हो गई और यात्री बाल-बाल बचे।

जानकारी के अनुसार जोगिंद्रनगर-सरकाघाट सडक मार्ग पर नेरी कोटला में निगम की इस बस के पिछले चार टायर अचानक खुल जाने से बस अनियंत्रित हो गई और सड़क के किनारे घसीटते हुए खड़ी हो गई। इससे यात्रियों में अफरा-तफरा मच गई। बस अड्डा जोगिंद्रनगर से सुबह 6:30 बजे अमृतसर के लिए निकली धर्मपुर डिपो की यह बस करीब 35 किलोमीटर का सफर करने के बाद ही दुर्घटनाग्रस्त हो गई। जबिक तय रूट के तहत निगम की बस को धर्मपुर, सरकाघाट, जाहू, भोटा और ऊना से होशियारपुर वाया जालंधर होते अमृतसर में अगले दिन सुबह साढ़े आठ बजे

वीरवार को जब परिवहन निगम की बस के यू वोल्ट ख़ुल गए तो पिछले चार टायर बस से अलग हो गए और बस बीच सड़क खड़ी हो गई। इसके बाद बस में सवार यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। दहशत के बीच यात्री निगम की बस से बाहर आए तो देखा कि बस और टायर दोनों ही अलग-अलग थे। मौके पर मौजूद लोगों से मिली जानकारी के अनुसार अगर यह हादसा नेरी कोटला से कुछ आगे हुआ होता तो ढलान के चलते निगम की यह बस सड़क किनारे गहरी ढांक में भी लुढ़क सकती थी। इससे यात्रियों को जानी नुकसान भी पहुंच उधर, एचआरटीसी डिपो धर्मपुर के

आरएम विनोद कुमार ने बताया कि सूचना मिलने पर परिवहन निगम की तकनीकी टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए हैं। रिपोर्ट आने के बाद ही आगामी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। बहरहाल परिवहन निगम की बस के यू वोल्ट खुल जाने से



यह हादसा हुआ है। इसमें सवार 18 यात्री पूरी तरह से सुरक्षित हैं। जिन्हें दूसरी बस से आगे भेजा गया है। वहीं, एचआरटीसी मंडी मंडल के डीएम विनोद ठाकुर ने बताया कि तकनीकी जांच के आदेश जारी किए गए हैं। उन्होंने बताया कि जो हिस्सा खुला है,

उसे डिफरेंशियल ट्यूब कहा जाता है। अमूमन यह खुलती नहीं है, लेकिन यह किन कारणों से हुआ इसकी जांच की जा

निगमकी तकनीकी टीम ने जुटाए वीरवार को जोगिंद्रनगर बस अड्डे से

करीब 35 किलोमीटर दूर नेरी कोटला में परिवहन निगम की बस दुर्घटनाग्रस्त हो जाने के बाद परिवहन निगम की तकनीकी टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य भी जुटाए हैं। बस चालक और परिचालक के बयान भी निगम की तकनीकी टीम ने दर्ज किए हैं।

स्पिल्सधार्णलिबरलाइनेशनएंड विवर्फयएएवाइडोट्स्ट (पंजीकृत)

TOLWA

Email: tolwadelhi@gmail.com bathlasanjaybathla@gmail.com

रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन 60 विद रजिस्ट्रेशन नंबर (152/02-03-2020), एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर उद्यम -डीएल -0026470, नीति आयोग रजिस्ट्रेशन नंबर वीओ/ एनजीओ/0303274/25-01-2022 दर्पण

रजिस्टर्ड कार्यालय: – ३, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए – ४ पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली ११००६३ कॉरपोरेट कार्यालय :– 529, समयपुर, मेंन बवाना रोड, नियर बैंक ऑफ़ बड़ौदा दिल्ली 110042

हिलाओं की अधिकतर समस्याओं की वजह हार्मोन्स में गड़बड़ी को कहा जा सकता है. फिर चाहे सिर में दर्द, बदन दर्द, हर वक्त

चिड़चिड़ापन, डिप्रेशन, थकान से लेकर पीरियड्स में समस्या, नींद ना आना आदि ही क्यों ना हो. ये लक्षण हार्मोनल इंबैंलेंस के हो सकते हैं. ऐसे लक्षणों की वजह से महिलाएं तनाव में रहने लगती हैं और उनकी जिंदगी परेशानियों से भर जाती है. लेकिन अगर आप इस एक परेशानी को ठीक कर लें तो आप लंबी उम्र तक फिट रह सकती हैं और हेल्दी दिख सकती हैं. यही नहीं, हार्मोन्स में संतुलन आते ही आप मानसिक रूप से भी बेहतर महसूस करने लगेंगी. तो आइए जानते हैं कि आखिर हार्मोन्स को संतुलित रखने के लिए महिलाओं को क्या करना चाहिए.

इस विषय पर क्लीनिकल डायटीशियन और न्यूट्रिशनिस्ट रिद्धिमा बत्रा (nutritionist Ridhima Batra) बत्रा ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी में बताया कि किस तरह महिलाएं अपने हार्मोन को संतुलित रख सकती हैं.

महिलाएं इस तरह रखें अपने हार्मोन को बैलेंस(How To Cure Hormonal Imbalance In Females)— हाई प्रोटीन ब्रेकफास्ट

अपने दिन की शुरुआत हाई प्रोटीन नाश्ते के साथ करें.

इसके लिए आप नाश्ते में अंकुरित चीला, आमलेट, दिलया, अंडे, दही आदि को शामिल कर सकती हैं. नींद जरूरी

महिलाओं को अगर अपने हार्मोन को संतुलित रखना है तो रात की नींद जरूर पूरी कर लें. कम से कम 7 घंटे से लेकर 9 घंटे की नींद काफी फायदा पहुंचाएता

स्टेन्थ ट्रेनिंग

सप्ताह में अगर आप 2 से 3 दिन भी स्टेंथ ट्रेनिंग करें तो यह आपको फिट रखने और हार्मोन्स को बेहतर रखने में मदद कर सकता है. इसके लिए आप वॉकिंग, जॉगिंग, साइकिलिंग, स्वीमिंग आदि कर सकती हैं.

प्लांटबेस्टफूड

अगर आप एक सप्ताह में कम से कम 30 तरह के प्लांट बेस्ड फूड को शामिल करें तो यह आपकी आंतों को हेल्दी रखेगा और आप बेहतर महसूस करेंगी. वजन का रखें खयाल

शरीर के वजन को बढ़ने ना दें. वजन अगर बढ़ रहा है तो यह कई तरह की समस्याएं पैदा कर सकता है, जिसमें से एक है हार्मोन्स से जुड़ी समस्या. अगर आप इन बातों को ध्यान में रखें और अपने लाइफस्टाइल को हेल्दी बना लें तो आप लंबी उम्र तक परेशानियों से बचेंगी और फिट. हेल्दी. हैप्पी रहेंगी।



मन से रावण जो निकाले राम उसके मन में हैं: समाजसेवी पंकज जैन



आगरा। हर वर्ष चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को राम नवमी मनाई जाती है। इस दिन प्रभु श्रीराम धरती पर अवतरित हुए थे। इस साल 17 अप्रैल को राम नवमी का त्योहार मनाया जा रहा है। इस शुभ अवसर पर समाजसेवी पंकज जैन ने कहा कि ₹भगवान राम हम सबके आराध्य हैं, प्रेरणा स्त्रोत हैं। उनका न्याय और सामाजिक समानता पर आधारित जीवन हर सच्चरित्र इंसान के लिए एक आदर्श है।₹तो आइए. श्रीराम नवमी के पावन पर्व पर हम सभी ये प्रण लें कि राष्ट्रहित में हम सभी मिलकर मर्यादापरषोत्तम प्रभु श्रीराम के इसी आदर्श जीवन को अपनाएँ और सदैव सत्य, न्याय और कर्तव्य के पथ पर चलेंगे। जिनके मन में श्री राम है,भाग्य में उसके वैकुण्ठ धाम है। राम रोम-रोम में हैं. राम हर घर-आंगन में हैं. मन से रावण जो निकाले राम उसके मन में हैं। उनके चरणों में जिसने जीवन वार दिया, संसार में उसका कल्याण है। मन राम का मंदिर है, यहां उसे विराजे रखना। पाप का कोई भाग न होगा, बस राम को थामे रखना। प्रभु श्री राम आपके जीवन में प्रकाश लाए, राम आपके जीवन को सुंदर बनाएं। अज्ञान का अंधकार मिटाएं, आपके जीवन में ज्ञान का प्रकाश आए। इसी विचार के साथ राम नवमी की हार्दिक बधाई शुभकामनाएं। प्रभु श्रीराम आप सभी का जीवन मंगलमय करें।

अगर आपको भी मधुमेह या प्री-डायबिटीज है तो खाली पेट खाने के लिए तीन 'सबसे खराब' फूड्स हैं धर्मिशला नारायण सुपरस्पेशलिटी अस्पताल में आंतरिक चिकित्सा के

धर्मिशला नारायेण सुपरस्पेशिलटी अस्पताल में आंतरिक चिकित्सा के विरिष्ठ सलाहकार, डॉ. गौरव जैन ने कहा, सूचित आहार विकल्प चुनकर, मधुमेह या पूर्व—मधुमेह वाले व्यक्ति अपने रक्त शर्करा को बेहतर ढंग से नियंत्रित कर सकते हैं और अपने समग्र कल्याण में सहायता कर सकते हैं। अधिकांश लोगों के नाश्ते में मक्खन लगा हुआ टोस्ट और फल या फलों का रस शामिल होता है। लेकिन अगर आप स्वास्थ्य के प्रति थोड़ा भी सचेत हैं, तो आपको पता होना चाहिए कि विशेषज्ञों के अनुसार दिन की शुरुआत करने के लिए फल तीन सबसे खराब खाद्य पदार्थों में से एक हैं। "सुबह-सुबह, हार्मोनल परिवर्तनों के कारण रक्त शर्करा आमतौर पर अनियंत्रित होती है। इसलिए, फल, शहद और बिस्कुट आपके दिन की शुरुआत करने के लिए सबसे खराब फूड्स हैं, '' हेल्थ हैच इंस्टाग्राम पेज पर एक रील में उल्लेख

सहमत होते हुए, डॉ नीति ए पटेल, मधुमेह विशेषज्ञ, थायरॉयड विशेषज्ञ, स्कोप प्रमाणित मोटापा चिकित्सक, ऐस ऑर्थो-डायबिटो केयर, मुंबई ने कहा कि कोई भी भोजन जो इसमें मौजूद चीनी को तेजी से जारी करता है (उच्च ग्लाइसेमिक इंडेक्स भोजन) से बचना चाहिए, खासकर खाली पेट। यह शरीर में शुगर को बढ़ा देगा और शुगर नियंत्रण को अव्यवस्थित कर देगा। डॉक्टर के मताबिक

-सफेद या साबुत ब्रेड में उच्च जीआई सूचकांक होता है, और ये अत्यधिक प्रोसेस्ड खाद्य पदार्थ होते हैं जिनमें कोई पोषक तत्व और फाइबर नहीं होता है। - फलों के रस (ताजा या पैक) प्राकृतिक शर्करा से भरपूर होते हैं। इनमें बहुत सारे विटामिन, खनिज और फाइबर होते हैं लेकिन खाली पेट ये बिल्कुल भी वर्जित हैं। डॉ. पटेल ने कहा, ₹दिन में बाद में पूरे फल को मध्य भोजन नाश्ते के रूप में लिया जा सकता है।

- डॉ. पाटिल ने कहा, कॉर्न फ्लेक्स/अनाज बार/म्यूसली: हालांकि इन खाद्य पदार्थों को प्रोटीन से भरपूर/बिना अतिरिक्त चीनी/बाजरा आधारित के रूप में लेबल किया गया है, फिर भी हमें सामग्री सूची की पूरी तरह से जांच करनी चाहिए। आमतौर पर, इन उत्पादों में चीनी की मात्रा अधिक होती है (व्यावसायिक ब्रांड इस तथ्य को छिपाने के लिए शर्करा के विभिन्न रूपों या

नामों का उपयोग करते हैं),''
-हालांकि साबुत फलों में फाइबर होता है, रस निकालने की प्रक्रिया इसे खत्म कर देती है, जिससे चीनी की एक केंद्रित आपूर्ति रह जाती है जो रक्त शर्करा के स्तर को तेजी से बढ़ा सकती है। मारेंगो एशिया हॉस्पिटल, गुरुग्राम की विरष्ठ सलाहकार, पोषण और आहार विज्ञान, डॉ नीति शर्मा ने कहा, ''फलों के रस से रक्त शर्करा के स्तर में अचानक वृद्धि हो सकती है क्योंकि इसमें चीनी के

अवशोषण को धीमा करने के लिए फाइबर की कमी होती है।"
- इसके अलावा, जब खाली पेट खाया जाता है, तो पेस्ट्री और मीठे बेक किए गए सामान जैसे क्रोइसैन, मिफन और मीठे रोल मधुमेह या प्री-डायबिटीज वाले लोगों के लिए विशेष रूप से खतरनाक होते हैं क्योंकि उनमें अतिरिक्त शर्करा और परिष्कृत कार्बोहाइड्रेट की मात्रा अधिक होती है।

खाने में सोडियम-पोटेशियम की ज्यादा मात्रा बिगाड़ सकती है आपकी सेहत, जानिए एक्सपर्र्स की राय

अनन्या मिश्रा

खानपान की वजह से हमारे शरीर में सोडियम व पोटेशियम का बैलेंस बिगड़ जाता है। जिससे हमारा स्वास्थ्य खराब होने लगता है। आमतौर पर लोग दाल-मखनी, पराठे, बटर नान या फिर कटहल आदि खाते

हर भारतीय खाने-पीने का बहुत शौकीन होता है। भारतीयों में स्वाद के प्रति ऐसी दीवानगी होती है कि कई बार यह उनकी सेहत पर बुरा असर डालती है। अधिक मसालेदार व तला-भुना खाना खाने में तो बहुत अच्छा लगता है। लेकिन इस तरह के खानपान की वजह से हमारे शरीर में सोडियम व पोटेशियम का बैलेंस बिगड़ जाता है। जिससे हमारा स्वास्थ्य खराब होने लगता है। आमतौर पर लोग दाल-मखनी, पराठे, बटर नान या फिर कटहल आदि खाते हैं। अगर यह या फिर इनसे मिलती-जुलती चीजें आपकी डाइट का हिस्सा है, तो आपको

दसरों की तलना में अधिक ब्लड प्रेशर की समस्या हो सकती है। साथ ही ऐसा खाना खाने से मोटापा बढ़ने के भी आसार होते हैं। एक हेल्थ स्टडी के मृताबिक अधिक तलेभूने या मसालेदार खाने में ढेर सारा नमक और फॉस्फोरस होता है। जो किसी का भी हाइपरटेंशन बढ़ा सकता है। साथ ही इनमें प्रोटीन और पोटेशियम की भी कमी होती है। इसलिए अगर आपको भी इस तरह का खाना पसंद है, तो आपको अपनी सेहत के प्रति सतर्क होने की जरूरत है। बता दें कि आमतौर पर नॉर्थ इंडिया के खाने में सोडियम और फॉस्फोरस की मात्रा जरूरत से अधिक पाई जाती है। जबकि इस तरह के खाने में प्रोटीन और पोटेशियम कम पाया जाता है। इस तरह की डाइट को असंतुलित आहार कहा जाता है।

यदि आप इस तरह का खाना खाते हैं, तो शरीर को सेहतमंद बने रहने में समस्या आती है और आपको कई तरह की गंभीर बीमारियां घेर सकती हैं। वहीं WHO भी सोडियम, पोटेशियम, फॉस्फोरस और प्रोटीन खाने के लिए स्वस्थ मात्रा में सेवन करने की सलाह देता है। क्योंकि इससे बहुत कम या फिर बहुत ज्यादा मात्रा हमारी सेहत को मुश्किल में डाल सकता है।

कैसी होनी चाहिए डाइट

बता दें कि एक वयस्क रोजाना 2 ग्राम सोडियम का सेवन करने की सलाह दी जाती है। जबिक करीब 65 फीसदी से अधिक नॉर्थ इंडियन लोग रोजाना 8 ग्राम से अधिक सोडियम का सेवन कर रहे हैं।

WHO के अनुसार, एक वयस्क को रोजाना 700 माइक्रोग्राम फॉस्फोरस का सेवन करना चाहिए।

वहीं एक वयस्क को रोजाना कम से कम 3.5 ग्राम पोटेशियम का सेवन करना

WHO के मुताबिक हर व्यक्ति को अपने वजन के हिसाब से प्रति किलोग्राम के लिए 0.8 ग्राम से 1 ग्राम तक प्रोटीन खाना चाहिए। शरीर में पोटेशियम की कमी के लक्षण यदि आपके शरीर में पोटेशियम की कमी होने पर पेशान में अजीब सी झनझनाहट होने लगती है। इसकी कमी से कब्ज, थकान और मसल्स में दर्द की समस्या शुरू हो जाएगी। शरीर में इसका लेवल अधिक घटने से हार्ट रेट में असामान्य बदलाव देखने को मिल सकता है। इसको 'एरिथमिया' कहा जाता है। ऐसी स्थिति में दिल की धड़कन कम होती जाती है। जिसका असर न सिर्फ आपके चेहरे पर दिखने लगता है, बल्कि आप समय से पहले 5-7 साल बूढ़े दिखने

पोटेशियम की पूर्ति के लिए करें इन चीजों का सेवन

अगर आप रोजाना सही मात्रा में पोटेशियम का सेवन करते हैं। तो आप कई बीमारियों से खुद का बचाव कर सकते हैं। WHO के अनुसार, आपको रोजाना कम से कम 3.5 ग्राम पोटेशियम तो जरूर खाना चाहिए। पोटेशियम की पूर्ति के लिए आपको अधिक से अधिक फल व सब्जियों का सेवन करना चाहिए।

प्रोटीन की कमी कर सकती है बीमार प्रोटीन की कमी होने से शरीर थकान महसूस करने लगता है। प्रोटीन की कमी होने पर बाल झड़ने लगते हैं, नाखून सफेद और हड्डियां कमजोर होने लगेंगी। प्रोटीन है जरूरी

हमारी हिंडुयों, स्किन, मसल्स, बाल और यहां तक शरीर का हर टिश्यू प्रोटीन से बना होता है। इसके साथ ही यह खास तरह का एंजाइम भी बनाता है। बता दें कि ब्लड में हीमोग्लोबिन की मात्रा अच्छी बनी रहने के लिए शरीर में प्रोटीन बेहद जरूरी है। प्रोटीन के पर्याप्त सेवन के लिए फलियां, मोटे अनाज, नट्स और सींड्स, दाल-बीन्स, अंडा, मछली, पनीर और मशरूम आदि का सेवन कर सकते हैं।

एक्सपर्ट सलाह: टॉक्सिक नहीं होती ये आदतें, रिश्ते से जुड़े इन मिथकों को गलतफहमी बनने से पहले कर लें दूर

एकत

कुछ आदतें हैं, जो वैसे तो रिश्तों के लिए अच्छी होती हैं, लेकिन मिथकों की वजह से लोग अक्सर उन्हें गलत समझकर बैठ जाते हैं। इसलिए बेहतर रिश्ते बनाने के लिए, इन मिथकों से परे देखना और यह समझना महत्वपूर्ण है कि एक-साथ खुश रहने के लिए क्या चीजें मायने रखती हैं।

ਯ कल ज्यादातर कपल अपने रिश्ते से ख़ुश नहीं 3 जिंकल ज्यादातर कपल अपने रिश्ते से खुश नह है। लेकिन क्यों ? रिश्ते से नाखुश होने की कई वजहें हो सकती हैं। लेकिन अपने रिश्ते को सबसे अच्छा दिखाने और खुद को एक आदर्श कपल बनाने की होड इसकी सबसे बडी वजह है। आजकल के ज्यादातर कपल अपने रिश्ते को 'सबसे अच्छा' दिखाने की कोशिश में लगे हुए हैं। ऐसा करने के दौरान वह अक्सर अच्छे रिश्ते से जुड़े उन मिथकों पर भी यकीन कर लेते हैं, जो अक्सर उनके बीच गलतफहमियाँ पैदा कर देते हैं। उदाहरण के लिए, कुछ लोग सोच सकते हैं कि लगातार रोमांस करना या कभी बहस न करना एक आदर्श रिश्ते का संकेत हैं, जबकि सच्चाई ये है कि हर रिश्ते में उतार-चढाव आते रहते हैं।ऐसी ही कछ आदतें हैं, जो वैसे तो रिश्तों के लिए अच्छी होती हैं, लेकिन मिथकों की वजह से लोग अक्सर उन्हें गलत समझकर बैठ जाते हैं। इसलिए बेहतर रिश्ते बनाने के लिए, इन मिथकों से परे देखना और यह समझना महत्वपूर्ण है कि एक-साथ ख़ुश रहने के लिए क्या चीजें मायने रखती हैं।

मनोचिकित्सक इसरा नासिर ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर उन आदतों के बारे में बात की है, जो रोमांटिक रिश्ते के लिए बहुत अच्छी होती है। लेकिन लोग इन्हें अक्सर गलत समझ बैठते हैं। इन आदतों को साझा करते हुए एक्सपर्ट ने लिखा, 'लोगों के अपने रिश्तों में नाखुश होने का सबसे बड़ा कारण यह है कि वे अनजाने में अपने दिन-प्रतिदिन ₹एक अच्छा रिश्ता₹ के बारे में मिथक और गलतफहमियाँ लाते हैं। ये मिथक रिश्तों में हमारी अपेक्षाओं को निर्धारित करते हैं, और यहां तक कि यह भी निर्देशित करते हैं कि हम क्या सोचते हैं कि स्वीकार्य है और क्या नहीं।'

नासिर ने आगे साझा किया, 'साहित्य, फिल्मों और पॉप संस्कृति में आदर्शीकृत रोमांटिक कथाओं के कारण बहुत सी स्वस्थ रिश्ते की आदतों को खराब प्रतिष्ठा मिलती हैं। हम उन्हें आत्मसात करते हैं, और फिर उन्हें अपने रिश्तों पर लागू करते हैं। ये गलतफहमियाँ हमें इन स्वस्थ तरीकों से कार्य करने से रोकती हैं, क्योंकि हमें लगता है कि वे गलत हैं। इससे गलतफहमियां पैदा हो सकती हैं

और अस्वस्थ पैटर्न के और भी इर कई हैं कि हैं रेश्ते जिस्से के जिस्से के लिए मजबूत स

हो सकते हैं।'
6 स्वस्थ रोमांटिक रिश्तों की आदतें, जिन्हें गलत तरीके से टॉक्सिक माना जाता है

स्पेस लेना और अकेले समय बिताना- यह सुनिश्चित करना कि आपका रिश्ता आपकी पहचान को ख़त्म न कर दे, आपके आत्म-सम्मान को बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण है। आप अपने जीवन में जितना अधिक सुरक्षित होंगे, आप अपने रिश्ते में उतना ही अधिक आत्मविश्वास दिखाएंगे। जब आप अलग समय बिताना

बंद कर देते हैं तो आप अपने साथी से यह उम्मीद करने लगते हैं कि वह आपकी सभी जरूरतें पूरी करेगा. जो रिश्ते के लिए हानिकारक है। दूसरे लोगों को आकर्षक पाना-किसी को आकर्षक पाना और उसके प्रति आकर्षित होना अलग-अलग बातें हैं। इंसान दूसरों की ओर आकर्षित होने के लिए बना है। आकर्षण लोगों को करीब लाने का काम करता है। इसके लिए अपने साथी को दंडित करना, या इसके लिए खुद को शर्मिंदा करना, भविष्य में आप दोनों को इसे एक-दूसरे से बातें छिपाने का कारण बन सकता है। कुछ तर्कों को अनसुलझा छोड़ना-यह असंभव है कि आप और आपका साथी हर

बात पर सहमत हों, या हर समय 100% अनुकूल हों । मतभेद होना कोई मुद्दा नहीं है, आप मतभेदों को फिर से कैसे परिभाषित करते हैं और बीच के रास्ते पर कैसे आते हैं यह महत्वपर्ण है। बीच-बीच में मिलना सीखना और कुछ चीजों को जाने देना रिश्तों का एक स्वस्थ हिस्सा है। मित्रों के स्वतंत्र और अलग-अलग समृह होना- 'फ्रेंड्स' और 'हाउ आई मेट योर मदर' जैसे शो ने इस विचार को लोकप्रिय बनाया कि आपके पास दोस्तों का एक ही समूह होना चाहिए। लेकिन अलग-अलग मित्र समूह होने से आप दोनों अपनी सामाजिक जरूरतों को स्वतंत्र रूप से पूरा कर सकते हैं, और नए अनुभवों की संभावना भी बढ़ जाती है। जो आपके रिश्ते को समृद्ध बनाता है। आपके साझा मित्र भी हो सकते हैं. लेकिन अपना सामाजिक दायरा बनाए रखना महत्वपूर्ण है ।



'आप सरकार को गिराना चाह रही है भाजपा', अमानतुल्लाह की गिरफ्तारी पर बोले संजय सिंह; विधायक के घर पहुंचे पार्टी नेता

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आम आदमी पार्टी (AAP) के विधायक अमानतुल्लाह खान को दस घंटे की पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर लिया है। विधायक को दिल्ली वर्क्फ बोर्ड (Delhi Waqf Board) नियुक्ति घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग (PMLA) के तहत गिरफ्तार है। विधायक सुबह 11 बजे ईडी के ऑफिस पहुंचे थे। सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर अमानतुल्लाह जांच एजेंसी के सामने पेश हुए थे।

परिवहन विशेष न्यूज

नर्इ दिल्ली।प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आम आदमी पार्टी (AAP) के विधायक अमानतल्लाह खान को दस घंटे की पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर लिया है। विधायक को दिल्ली वक्फ बोर्ड (Delhi Waqf Board) नियुक्ति घोटाले से जुड़े मनी लॉर्नड्रंग (PMLA) के तहत गिरफ्तार है। विधायक सुबह 11 बजे ईडी के ऑफिस पहुंचे थे। सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर अमानतुल्लाह जांच एजेंसी के सामने पेश हुए थे।

ओखला के विधायक अमानतुल्लाह खान की गिरफ्तारी के बाद उनके घर रात को समर्थकों की भीड़ जुट गई। आम आदमी पार्टी के बड़े नेता रात को उनके घर पहुंचे। आप नेता संजय सिंह, अतिशी और सौरव भारद्वाज सहित अन्य नेता अमानतुल्लाह के परिजनों से मिलने पहुंचे। आप नेता संजय सिंह ने कहा कि भाजपा हमारी पार्टी को तहस-नहस करने में लगी हुई है।

आप सरकार को गिराना चाहती है

के बाद संजय सिंह ने कहा कि यह सब साजिश के तहत किया गया है। भाजपा दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार को गिराना चाहती है। इसलिए विधायकों को तोडने की भी कोशिश की जा रही है। जिन आरोपों में ईडी ने अमानतुल्लाह को गिरफ्तार किया है, वह भी बुनियाद और निराधार हैं। भाजपा देश में तानाशाही के तहत काम कर रही है। पूर्वी दिल्ली लोकसभा सीट से आम आदमी पार्टी के प्रत्याशी कुलदीप और जंगपुरा से विधायक प्रवीण भी अमानतुल्लाह के घर पहुंचे।

www.newsparivahan.com

ये भी आरोप लगाया गया है कि उन्होंने दिल्ली वक्फ बोर्ड के धन का दुरुपयोग किया है। दिल्ली वक्फ बोर्ड के तत्कालीन सीईओ ने इस तरह की अवैध भर्ती के खिलाफ बयान जारी किया था।

सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर अमानतुल्लाह खान बृहस्पतिवार सुबह 11 बजे तुगलक रोड स्थित ईडी मुख्यालय पहुंचे, जहां उनसे 10 घंटे तक पूछताछ की



संजयसिंह ने किया पोस्ट

अमानतुल्लाह खान की गिरफ्तारी के बाद संजय सिंह ने एक्स पर पोस्ट किया, मोदी सरकार ऑपरेशन लोटस पूरी तरह जट गई है। मंत्रियों विधायकों पर फर्जी मामले बनाकर उनको गिरफ्तार किया जा रहा है। अमानतुल्लाह खान के खिलाफ बेबनियाद मामला बनाकर ईडी द्वारा उनको गिरफ्तारर करने की तैयारी की जा

रही है। तानाशाही का अंत जल्द होगा। मैं उनके परिवार से मिलने जा रहा हूं। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष क्या

दिल्ली भाजपा के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा, अमानतुल्लाह खान ने केवल आर्थिक भ्रष्टाचार ही नहीं किया, बल्कि धार्मिक वक्फ की संपत्ति एवं फंड में गोलमाल कर साधारण मुस्लिम जनों को

भी धोखा दिया है। एक लंबी जांच के बाद विधायक अमानतुल्लाह खान की गिरफ्तारी से न्याय का तकाजा पूरा हुआ है।

अमानतुल्लाह खान ने वक्फ बोर्ड में नौकरी देने के लिए पैसे लेने से लेकर साधारण मुस्लिम जनों की अमानत वक्फ बोर्ड की किरायेदारी या कब्जेदारी बदलने के नाम पर भी करोड़ों का गबन किया है, जिसके लिए देश का कानून और मुस्लिम

समाज दोनों कभी उन्हें माफ नहीं करेंगे। अमानतुल्लाह के करीबियों के ठिकानों पर कैश मिला

इस मामल में एंटी करप्शन ब्यूरो (ACB) ने सितंबर 2022 में अमानतुल्लाह से पूछताछ की। इसी के आधार पर ACB ने चार जगहों पर छापे मारे। करीब 24 लाख रुपये कैश बरामद किया गया। इसके अलावा, दो अवैध और बिना लाइसेंस की पिस्टल मिली थीं। कारतूस और गोला-बारूद भी बरामद किया था।

बाद में अमानतुल्लाह को गिरफ्तार कर किया गया था। उनके खिलाफ सुबतों और आपत्तिजनक सामग्री के आधार पर गिरफ्तारी की गई थी। बाद में उन्हें उन्हें 28 दिसंबर 2022 को जमानत पर रिहा कर

मृतक के साथ आखिरी बार देखे जाने के आधार पर नहीं ठहराया जा सकता दोषी



हत्या के मामले में दो व्यक्तियों को 26 साल बाद दिल्ली हाईकोर्ट ने बड़ी राहत देते हुए उनकी दोषसिद्धि और आजीवन कारावास की सजा को रद्द कर बरी कर दिया। अपीलकर्ताओं को बरी करते हुए न्यायमूर्ति सुरेश कुमार कैत व न्यायमूर्ति मनोज जैन की पीठ ने कहा कि अपीलकर्ताओं को केवल इसलिए दोषी नहीं टहराया जा सकता है क्योंकि उन्हें मृतक के साथ आखिरी बार देखा गया था।

नई दिल्ली। हत्या के मामले में दो व्यक्तियों को 26 साल बाद दिल्ली हाईकोर्ट ने बड़ी राहत देते हुए उनकी दोषसिद्धि और आजीवन कारावास की सजा को रद्द कर बरी कर दिया। अपीलकर्ताओं को बरी करते हुए न्यायमूर्ति सुरेश कुमार कैत व न्यायमुर्ति मनोज जैन की पीठ ने कहा कि अपीलकर्ताओं को केवल इसलिए दोषी नहीं ठहराया जा सकता है क्योंकि उन्हें मृतक के साथ आखिरी बार देखा

अदालत ने कहा कि आरोपित और मृतक एक साथ काम कर रहे थे और अभियोजन पक्ष की ''लास्ट सीन थ्योरीर को संपूर्णता के साथ पूर्ववर्ती व बाद की

परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए लागू किया जाना चाहिए। पीठ ने कहा कि अदालत का विचार है कि आखिरी बार एक साथ देखे जाने की परिस्थित के आधार पर आरोपित को दोषी ठहराना सुरक्षित नहीं होगा, जो पूरी तरह से साबित भी नहीं हुआ है।

यह टिप्पणी करते हुए अदालत ने अक्टूबर 2001 के टायल कोर्ट के फैसले के खिलाफ अपीलकर्ताओं की अपील स्वीकार कर ली। अदालत ने कहा कि अपीलकर्ता मृतक के साथ काम कर रहे थे, इसलिए उनका एक साथ रहना असामान्य नहीं कहा जा सकता।

मृतक का शव जुलाई 1997 में एक रेलवे ट्रैक पर पाया गया था और कुछ दिनों के बाद अपीलकर्ताओं को गिरफ्तार कर लिया गया था। अभियोजन पक्ष ने आरोप लगाया कि मृतक की हत्या कर दी गई, क्योंकि उसे अपीलकर्ताओं में से एक के एक महिला के साथ अवैध संबंध के बारे में पता

अपीलकर्ताओं के आजीवन कारावास की सजा को वर्ष 2003 और वर्ष 2004 में हाई कोर्ट द्वारा निलंबित कर दिया गया था। दोनों प्रवासी मजदूर थे और निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन के पास झग्गियों में रहते थे।

'जेल में केजरीवाल की जान को खतरा', अतीक अहमद और टिल्लू ताजपुरिया का उदाहरण देकर दिल्ली हाईकोर्ट में PIL दायर

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) सहित दर्ज सभी आपराधिक मामलों में मख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को असाधारण अंतरिम जमानत पर रिहा करने की मांग को लेकर दिल्ली हाई कोर्ट में जनहित याचिका दायर की गई है। जनहित याचिका में गैंगस्टर टिल्लू ताजपुरिया और अतीक अहमद की हिरासत में हत्याओं का उदाहरण देते हुए कहा गया है कि तिहाड़ जेल में केजरीवाल की सुरक्षा खतरे में है।

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट में एक जनहित याचिका दायर कर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की जान को जेल में खतरा बताया गया है। इस याचिका में असाधारण अंतरिम जमानत की मांग की गई है क्योंकि तिहाड़ में कट्टर अपराधियों के साथ बंद होने के कारण उनकी सुरक्षा खतरे में बताया गया। बता दें, केजरीवाल दिल्ली शराब घोटाला मामले से जुड़े मनी लॉर्नड्रंग मामले में तिहाड़ जेल में बंद हैं।

याचिका में कहा गया है कि मुख्यमंत्री की जिम्मेदारियों को पूरा करने के लिए, सभी मुद्दों पर तत्काल निर्णय लेने और बड़े स्तर पर जनकल्याण में आदेश पारित करने के लिए केजरीवाल की उनके कार्यालय और घर में उपस्थित रहना आवश्यक है। अधिवक्ता करण पाल सिंह के माध्यम से दायर याचिका

पर सोमवार को कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनमोहन व न्यायमर्ति मनमीत प्रीतम सिंह अरोड़ा की पीठ द्वारा सुनवाई की जाएगी।

विधि की पढ़ाई करनेवाले छात्र ने दायर की याचिका

विधि की पढाई करने वाले चौथे वर्ष के छात्र ने हम भारत के लोग नाम से दायर की है। याचिकाकर्ता ने कहा कि उन्होंने इस उपाधि का इस्तेमाल सिर्फ इसलिए किया है क्योंकि उन्हें कोई प्रसिद्धि या लाभ नहीं चाहिए। अंतरिम याचिका में केजरीवाल को दैनिक आधार पर कामकाजी घंटों में अपने आधिकारिक सरकारी कार्यालय में उपस्थित होने और सभी दस्तावेज पर हस्ताक्षर करने की अनुमति देने का निर्देश देने की मांग की

गई है। समय पर इलाज न होने पर कैदियों की हुई मौत

साथ ही दिल्ली सरकार के किसी भी स्थान या कार्यालय का निरीक्षण करने के साथ आधिकारिक कर्तव्यों को निभाने के लिए आवश्यक सभी कदम उठाने की अनुमति देने के लिए एक और निर्देश देने की

याचिका में कहा गया है कि राष्ट्रीय राजधानी की जेलों में इतने सारे कैदियों की मौत सिर्फ इसलिए हुई है क्योंकि उन्हें समय पर चिकित्सा सुविधाएं और सेवाएं प्रदान नहीं

मुख्यमंत्री होने के नाते स्वास्थ्य

याचिका में कहा गया है कि मुख्यमंत्री होने के नाते यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता है कि केजरीवाल के लिए सर्वोत्तम स्वास्थ्य सेवाएं, चिकित्सा उपकरण और विशेषज्ञ डॉक्टर हर समय उपलब्ध हों। हालांकि, जेल परिसर के सुरक्षा कारणों से न्यायिक हिरासत के तहत ऐसा संभव नहीं है।

दिल्ली उच्च

न्यायालय

याचिकाकर्ता ने तर्क दिया कि दष्कर्म. लूट, हत्या और डकैती के आरोपितों के बीच मुख्यमंत्री की सुरक्षा बहुत खतरे में है।यह भी तर्क दिया कि केजरीवाल या उनके परिवार के सदस्यों या सहयोगियों पर ऐसा आरोप नहीं है कि उन्होंने किसी गवाह को धमकी दी

सीपी राकेश कुमार आर्य ने चुनावों के चलते दिल्ली/यूपी बॉर्डर से सट्टे इलाकों में संयुक्त रूप से टीम के साथ पुलिस नाकों को किया चेक

- पलिस तथा आबकारी विभाग द्वारा पुलिस नाकों को किया चेक, दिए आवश्यक दिशा निर्देश
- शराब तस्करी रोकने के लिए बॉर्डर से सटे एरिया में शराब के गोदाम का निरीक्षण कर रिकॉर्ड किए चेक

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। पुलिस आयुक्त राकेश कुमार आर्य ने लोकसभा चुनाव के मद्देनजर शराब तस्करी तथा अन्य आपराधिक गतिविधियों पर अंकश लगाने के लिए दिल्ली तथा यपी बॉर्डर एरिया से सटे इलाकों में लगाए गए पुलिस तथा एक्साइज विभाग के नाकों की चेकिंग की और नाकों पर मौजूद पुलिसकर्मियों तथा आबकारी विभाग के कर्मचारियों को सुरक्षा व कानून व्यवस्था बनाए बनाए के संबंध में अहम दिशा निर्देश दिए।

पुलिस तथा एक्साइज विभाग द्वारा लगाए

गए नाकों को किया गया चेक:चुनाव के चलते शराब तस्करी तथा अन्य अपराधिक गतिविधियों पर अंकश लगाने के लिए दिल्ली तथा यूपी बॉर्डर एरिया से सटे इलाकों में मांगर दिल्ली रोड़ पर डेरा भाटी माइंस पुलिस नाका, गुडगाँव फरीदाबाद टोल नाका, शूटिंग रेंज, तुगलकाबाद, बदरपुर बोर्डर, जैतपुर, दुर्गा बिल्डर, बसंतपुर इत्यादि पुलिस नाके लगाकर चेकिंग की जा रही है। नाकों पर मौजूद पलिसकर्मियों तथा आबकारी विभाग के कर्मचारी को निर्देश देते हुए पुलिस आयुक्त ने कहा कि चुनाव के समय में अवैध शराब तस्करी होने का अंदेशा रहता है जिससे अपराधिक गतिविधियों को बढावा मिलता है। चनाव के समय में पार्टीबाजी की वजह से लड़ाई झगड़ों का भी अंदेशा रहता है इसलिए शांतिपूर्वक चुनाव कराने व कानून व्यवस्था कायम रखने के लिए अवैध शराब तस्करी सहित अन्य सभी अपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाना अति आवश्यक है। इसलिए

पलिस और आबकारी विभाग आपसी तालमेल बनाकर भारत निर्वाचन आयोग की हिदायतों के अनुसार अवैध शराब पर पूर्णतयाः पाबंदी सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि संदिग्ध प्रकार के व्यक्तियों और वाहनों को रोककर उनकी गहनता से चेकिंग करें तथा नशा तस्करों का विशेष निगरानी रखें और उनकी सूचना तुरंत उच्च अधिकारियों को दें ताकि इनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जा

शराब के गोदाम किए चेकः चनाव के चलते शराब तस्करी को रोकने के लिए पुलिस आयुक्त ने शराब के एल 1 तथा एल 13 गोदाम की चेकिंग की तथा उनके रिकॉर्ड को चेक किया गया तथा रिकॉर्ड को सही तरीके से मेंटेन करने के निर्देश दिए गए। गोदाम संचालकों को सख्त निर्देश दिए गए हैं कि उनके गोदाम से किसी भी प्रकार की शराब तस्करी न हो अन्यथा उनके खिलाफ कानून के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी।

सीपी राकेश कुमार आर्य ने पाली मांगर रोड़ पर ओवरलोड ट्रकों के खिलाफ पुलिस, खनन विभाग और आरटीए को आवश्यक कार्रवाई करने के दिए निर्देश

ओवरलोड तथा बिना नंबर प्लेट के ट्रकों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई: पुलिस आयुक्त ने पाली रोड पर सड़क किनारे खड़े ट्रकों की चेकिंग की। ट्रकों की नंबर प्लेट से नंबर मिटा हुआ था और ट्रक ओवरलोड थे। पैसे बचने के लिए ट्रॅंक ओवरलोड होकर चलते हैं जिसकी वजह से सड़क दुर्घटना घटित होने का खतरा बना रहता है। उनके खिलाफ पुलिस, माइनिंग विभाग तथा आरटीए को कानूनी कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए है। वाहनों की पहचान को छुपाने के लिए जानबुझकर उनके नंबर प्लेट से नंबर मिटाए गए हैं ताकि किसी प्रकार की दुर्घटना घटित होने पर इनकी पहचान ना हो सके। ऐसे टक चालकों के खिलाफ कार्रवाई कर इंपाउंड करने के निर्देश दिए।



पंजाब में आप पार्टी ने जुल्म की हदें कर दी पार, लोग दुबाएंगे तकड़ी का बटन: बीबी रंजीत कौर

नई दिल्ली। शिरोमणि अकाली दल दिल्ली इकाई की महिला विंग की मुख्य सेविका बीबी रणजीत कौर ने पार्टी को मजबत करने और मदद के लिए विभिन्न क्षेत्रों की महिलाओं को कोर कमेटी से जोड़कर दिल्ली में महिला विंग को मजबूत किया है. इस घोषणा के साथ ही उन्हें विभिन्न सम्मानों से नवाजा है.

इस मौके पर उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा कि ऊपर वाला सब देख रहा है. जब जुल्म बढ़ता है तो भगवान को उसे साफ करना ही पड़ता है. पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने बिल्कुल सही कहा है और अब उन्हें अपनी पीढ़ी के नीचे नजर डालने की जरूरत है। एनएसए जैसा काला कानून लगाकर भाई अमृतपाल सिंह और उनके साथियों पर किस तरह जल्म ढाए और उन्हें पंजाब से हजारों मील दूर असम की डिब्रूगढ़



जेल में कैद कर दिया उनकी एनएसए अवधि समाप्त होने के बाद उन पर जुल्म फिर से एक साल के लिए एनएसए को बढा दिया, जबिक उनकी मां बलविंदर कौर जी

को बंदी सिंहों की रिहाई के लिए चेतना मार्च निकालने से रोक कर उनपर पर्चा दाखिल कर जेल भेज दिया गया. उन्होंने कहा कि लोगों को 1 जून को 7वें दौर के चुनाव में सत्ता

का बटन दबाकर आप पार्टी की तानाशाही का जवाब देना है कि कैसे आप पार्टी ने पंजाब राज्य के लोकतंत्र और संविधान को नष्ट कर

महिला विंग की कोर कमेटी का किया

गया गठन

अब परचून की दुकान से भी मिलेगी आम दवाएं

परिवहन विशेष। एसडी सेठी।

नई दिल्ली। देश में अब आम दवाओ को जनरल स्टोर्स पर भी बेचे जाने की अनुमति दी जा सकती है। इस बावत केंद्र सरकार की ओर से एक कमेटी का गठन कर दिया है। यह समिति देश में ओवर द काउंटर (ओटीसी)दवा नीति बनाने की दिशा में काम कर रही है। सत्रों के मताबिक इस पॉलिसी के तहत लोगों को दवा खरीदने के लिए परचून दुकानदार को किसी डॉक्टर की पर्ची दिखाने की जरूरत भी नहीं पडेगी। दरअसल सरकार की मंशा है कि ग्रामीण, सुदूर और दुर्गम इलाकों में आम दवाओ की पहुंच को आसान बनाने के लिए यह सब किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि विशेषज्ञों की ओर से सुझाव दिए गए, थे कि अभी सुदूर ग्रामीण दुर्गम इलाको में आम दवाओं की पहुंच आसान नहीं है। उनके मृताबिक अमेरिका समेत कई देशो में आम दवाओं को किराना की दकानों से बेचे जाने की छूट है।इसीलिए उन्हीं की तर्ज पर भारत

में भी ओवर द काउंटर (ओटीसी) लागु करने पर विचार होना चाहिए। सूत्रों के मुताबिक जिसके बाद ही दवा नीति बनाने को लेकर केंद्र की गठित समिति ने सोमवार को कई सुझावों पर चर्चा की है। सत्रों के हवाले से बताया

गया है कि ओवर द कांउटर (ओटीसी)में सिर्फ वही दवाईयां शामिल की जाएगी, जिनको डॉक्टर के प्रिस्क्रिप्शन के बिना बेचने की परिमशन है। यएसए,ब्रिटेन और आस्ट्रेलिया में भी ऐसी ही नीति दवाईयों की खरीद ,उपयोग को लेकर लागू है। सूत्रों के मुताबिक इसी साल फरवरी में ओवर द काउंटर (ओटीसी) दवा नीति तैयार करने के लिए(डायरेक्ट्रेट ऑफ हेल्थ सर्विस) स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक अतुल गोयल ने समिति बनाई थी।समिति की ओर से हाल ही में दवाओ की पहली लिस्ट सौंपी गई थी।जिनको

बेधड़क परचून की दुकान से भी बेचा जा सकता है। इसी फेहरिस्त में जोड-घटा के लिए सोमवार को मिटिंग बुलाई गई थी। बता दें कि भारत में जनरल काउंटर पर बेची जाने वाली दवाओ

के लिए कोई नियम नहीं है।

जबकि प्रिस्क्रिप्शन दवा के लिए

बाकायदा नियम है। उसी दवा को ओवर द काउंटर (ओटीसी) माना जाता है,जिसको विशेष रूप से प्रिस्क्रिप्शन मेडिसिन नहीं बताया जाता। सूत्रों के हवाले से इस बावत अभी चर्चा चल रही है। उल्लेखनीय है कि आज से 40-50 साल पहले तक चोट, सिर दर्द, उल्टी,बुखार,दस्त समेत अन्य जनरल दवाए तक परचून की दुकान से भी मिल करती थी। इनमें एस्परो,एनासिन,एपीसी,खाकी गोली आदि दवा शामिल है।लगता वहीं जमाना एक बार फिर लौटता दिखाई दे रहा है।

www.newsparivahan.com

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट की दूर हुई बड़ी समस्यां, रूस से जल्द पहुंचेगा ये जरूरी उपकरण

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट की बड़ी बाधा दूर हो गई है। एयरपोर्ट पर हवाई यात्रा के संचालन के लिए जरूरी रडार की उपलब्धता हो गई है। 27 मार्च को रडार रूस से भारत पहुंच चुका है। भारतीय विमान पत्तन प्राधिकरण ने इसे लगाने का काम शुरू कर दिया है। यह कार्य तीस अप्रैल तक पूरा हो जाएगा। पांच सितंबर तक रडार की किमशनिंग हो जाएगी।

परिवहन विशेष न्यूज

ग्रेटर नोएडा। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट (Noida International Airport) की बड़ी बाधा दूर हो गई है। एयरपोर्ट पर हवाई यात्रा के संचालन के लिए जरूरी रडार की उपलब्धता हो गई है। 27 मार्च को रडार रूस से भारत पहुंच चका है।

भारतीय विमान पत्तन प्राधिकरण ने इसे लगाने का काम शरू कर दिया है। यह कार्य तीस अप्रैल तक परा हो जाएगा। पांच सितंबर तक रडार की कमिशनिंग हो जाएगी। आटोमेटिक डेपेंडेंट सर्विलांस ब्राडकास्ट (एडीएस-बी), एडवांस सरफेस मूवमेंट गाइडेंट्स एंड कंटोल सिस्टम (एएसएमजीसीएस), आटोमेशन सिस्टम और सरफेस मूवमेंट रडार (एसएमआर) का काम चल रहा है। एयरपोर्ट से प्रतिदिन 150 विमान प्रतिदिन उडान

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का निर्माण अंतिम चरण में चल रहा है। अक्टबर से यात्री सेवाओं का संचालन शरू हो जाएगा, लेकिन हवाई सेवाओं के संचालन में सबसे बडी बाधा रडार को लेकर थी। मुख्य सचिव डीएस मिश्रा ने भारतीय विमान पत्तर प्राधिकरण के अधिकारियों को एयरपोर्ट के निरीक्षण के दौरान रडार की उपलब्धता समय से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए थे।

वहीं रडार की उपलब्धता होने तक वैकल्पिक इंतजाम पर भी विचार किया जा रहा था। एयरपोर्ट पर सर्विलांस रडार (एआरएस) नार्थ और एयरपोर्ट सर्विलांस रडार (एआरएस) साउथ का काम रुका हुआ था। लेकिन 27 मार्च को रडार के भारत पहुंचने से यह



बाधा दूर हो चुकी है। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लि. नियाल के नोडल अफसर शैलेंद्र भाटिया ने बताया कि भारतीय विमान पत्तन प्राधिकरण ने रडार को स्थापित करने का काम शरू कर दिया है। यह कार्य तीस अप्रैल

तक पुरा हो जाएगा। पांच सितंबर तक रडार की कमिशनिंग हो जाएगी। रडार लगाने के बाद एयरपोर्ट से यात्री सेवाओं की शुरुआत पूरी क्षमता से हो सकेगी। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पहले चरण का

निर्माण कार्य 1334 हे. में चल रहा है। 3900 मीटर लंबा रनवे बनकर तैयार हो चुका है। इसके साथ ही एयर ट्रैफिक कंट्रोल टावर पर शीशे व उपकरण लगाने का काम

बैंक्वेट हॉल में चल रही थी सगाई, अचानकं लगी और मंच गई भगदंड; आग और धुएं के बीच फंस गए दो लोग



परिवहन विशेष न्यूज

गाजियाबाद के वसुंधरा स्थित एक बैंक्वेट हॉल में आज उस वक्त हडकंप मच गया जब सगाई समारोह के बीच तेज आग लग गई। आग लगते ही पूरे हॉल में भगदड़ मच गई। आग लगते ही इसकी सचना दमकल विभाग को दी गई जिसके बाद दमकल की चार गाडियां मौके पर पहुंचीं और राहत बचाव का कार्य शुरू किर दिया और फंसे हुए दो लोगों को सकुशल बाहर निकाल लिया।

गाजियाबाद।गाजियाबाद के वसंधरा स्थित एक बैंक्वेट हॉल में आज उस वक्त हड़कंप मच गया जब सगाई समारोह के बीच तेज आग लग गई। आग लगते ही पूरे हॉल में भगदड़ मच गई।

आग लगते ही इसकी सुचना दमकल विभाग को दी गई. जिसके बाद दमकल की चार गाड़ियां मौके पर पहंचीं और राहत बचाव का कार्य शुरू किया।

जानकारी के अनुसार वसुंधरा स्थित क्रिस्टल बैंक्वेट हॉल में गुरुवार दोपहर 12.44 बजे आग लग गई। जिस वक्त आग लगी वहां 50 लोग मौजूद थे। धुआं अधिक भरने से राहत-

बचाव कार्य में हुई परेशानी दो लोगों को छोड़कर सभी हॉल से सरक्षित निकल गए। दो फंसे हए लोगों को भी बाद में सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। जो दो लोग हॉल में फंसे थे उनकी पहचान नाजिम (30) और आयशा (28)

के रूप में हुई है। पीसीसी पैनल और अन्य सजावटी सामान जलने से हॉल में धुआं बहुत ज्यादा भर गया था, जिसके कारण फायर यूनिट को फायर फाइटिंग करने में बहुत ज्यादा परेशानी हो रही थी।

तीन दमकलकर्मियों ने बीए सेट पहनकर होटल के अंदर घुसकर रेस्क्यू और सर्च अभियान चलाया। फायर यूनिट ने कड़ी मक्कत के बाद आग पर काबू पाया । इस आग में धुआं अधिक होने के कारण खिडकियों के माध्यम से धएं को बाहर निकाला गया। आग में भवन का फ्रंट साईड व सजावटी सामान जल गया। फायर यूनिट ने आस-पास के इलाके को सुरक्षित बचा लिया और एक बड़ी घटना होने से बचाया गया, इसमें कोई जनहानि

घर पर लैब में बना रहे थे MDMA ड्रग्स, छापा मार कर गिरफ्तार किए चार नाइजीरियाई नागरिक; कीमत 100 करोड़

मेथिलीनडाइऑक्सीफेनथाइलमाइन (एमडीएमए) ड्रग्स बरामद हुआ है। अधिकारियों ने गुरुवार को कहा कि ग्रेटर नोएडा में रहने वाले चार नाइजीरियाई नागरिकों को उनके किराए के आवास से लगभग 25 किलोग्राम मेथिलीन डाइऑक्सीफेनथाइलमाइन (एमडीएमए) इंग्स बरामद होने के बाद गिरफ्तार किया गया था।

नई दिल्ली । नोएडा पुलिस ने ग्रेटर नोएडा में रहने वाले चार नाइजीरियाई नागरिकों को गिरफ्तार किया है। उनके



किराए के घर से 25 किलोग्राम मेथिलीनडाइऑक्सीफेनथाइलमाइन (एमडीएमए) ड्रग्स बरामद हुआ है। अधिकारियों ने गुरुवार को कहा कि

ग्रेटर नोएडा में रहने वाले चार

नाइजीरियाई नागरिकों को उनके किराए के आवास से लगभग 25 किलोग्राम मेथिलीनडाइऑक्सीफेनथाइलमाइन (एमडीएमए) ड्रग्स बरामद होने के बाद गिरफ्तार किया गया था।

पुलिस ने बताया कि जब्त किए गए एमडीएमए डग्स की कीमत काले बाजार में 100 करोड़ रुपये से अधिक है। इसे एक्स्ट्सी या मौली के नाम से जाना जाता है। चारों आरोपियों को ग्रेटर नोएडा स्थित अपने किराए के गर में बने सेट-अप में अत्याधुनिक उपकरण की मदद से एमडीएमए का निर्माण किया जा रहा था। सूचना मिलते ही मौके पर पुलिस पहुँच गई है और बुधवार रात को नाइजीरियाई नागरिकों को गिरफ्तार कर लिया। 2023 के बाद से ग्रेटर नोएडा में यह तीसरा ऐसा मामला है, जब विदेशी

अब भ्रष्टाचारियों का गोदाम बन गई है भाजपा : अखिलेश

साहिबाबाद। संयुक्त प्रेस वार्ता में पूर्व मुख्यमंत्री और सपा के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि इलेक्टोरल बॉन्ड ने भाजपा का बैंड बजा दिया । भाजपा अब भ्रष्टाचारियों का गोदाम बन गई है। भ्रष्टाचारियों को पार्टी में शामिल करके उनकी कमाई भी ले रही है। भाजपा का एक ही नारा है झूठ बोलना और लूटना। लूट और झूठ भाजपा की पहचान बन गई है। जो लोग 2014 में आए थे, वे 2024 में चले जाएंगे। चुनाव बाद भाजपा का सफाया होने जा रहा है।

उन्होंने कहा, देश की जनता बदलाव चाहती है। पश्चिम उत्तर प्रदेश से बदलाव की हवा चल रही है। चुनाव के होर्डिंग में डबल इंजन की सरकार नजर नहीं आ रही है। पीएम का नाम लिए बगैर कहा कि जो एक तस्वीर दिख रही है, वह भी चुनाव के बाद गायब हो

जाएगी। गाजियाबाद से गाजीपुर तक भाजपा की हार होने जा रही है।

उन्होंने कहा, पेपर लीक करके प्रदेश सरकार ने 60 लाख नौजवानों का भविष्य अंधकार में डाल दिया। इससे हर लोकसभा क्षेत्र में भाजपा के 2.60 लाख वोट कम हुए हैं। भाजपा की हर बात झूठी निकली। आज तक किसानों की आय दोगुनी नहीं हुई। किसान दुखी हैं। नौजवानों को रोजगार नहीं मिला। भाजपा ने विकास के जो सपने दिखाए, वे भी अधूरे हैं। इनका नैतिकता का बुलबुला भी फूट गया है। उन्होंने कहा कि अगर हमारे कार्यकर्ता बुथ की चौकीदारी करेंगे, तो निश्चित रूप से जीत जरूर

गरीबी को झटका जरूर देंगे सवाल-जवाब

सवाल : एक झटके में गरीबी खत्म करने के बयान पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राहल गांधी को जादुगर कहा है। आप दोनों के पास गरीबी खत्म करने का कौन सा जादू है?

जवाब: गरीबी को एक झटके में नहीं मिटा सकते लेकिन गरीबी को झटका जरूर देंगे। प्रधानमंत्री ने 22-25 लोगों पर पूरा ध्यान दिया। इन 22 लोगों के पास जितना पैसा है, उतना देश के 70 करोड़ लोगों के पास है। हम जाति जनगणना कराएंगे।

सवाल : कांग्रेस के घोषणापत्र से अलग क्या समाजवादी पार्टी का अपना भी कोई

जवाब: इंडिया गठबंधन का घोषणा पत्र सभी के विचारों से बना है। समाजवादी पार्टी भी जाति जनगणना कराकर समाज के लोगों को अधिकार देना चाहती है।

टप्पेबाजी करने वाला बांग्लादेशी गिरोह गिरफ्तार, डॉलर के नाम पर थमा देते थे कागज की गड्डी



कौशांबी पुलिस ने टप्पेबाजी करने वाले एक महिला सहित पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। पांचों आरोपित बांग्लादेश के मूल निवासी हैं। भोवापुर गांव में किराए के कमरे में रह रहे थे। पुलिस ने बताया कि यह लोग कागज की गड्डी बनाकर उसके दोनों और डॉलर रख देते थे। इसके बाद लोगों को झांसा लाकर डॉलर के बदले पैसे लेते थे।

गाजियाबाद। कौशांबी पुलिस ने टप्पेबाजी करने वाले एक महिला सहित पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। पांचों आरोपित बांग्लादेश के मूल निवासी हैं। भोवापुर गांव में किराए के कमरे में रह रहे थे। पुलिस ने बताया कि यह लोग कागज की गड़ी बनाकर उसके दोनों और डॉलर रख देते थे। इसके बाद लोगों को झांसा लाकर डॉलर के बदले पैसे लेते थे। आरोपितों ने दिल्ली से एक बाइक और डॉलर खरीदे थे। आरोपित बुलंदशहर के सराय 23 सराय झाजन सिकंदराबाद में रह रहे थे। अब तक आरोपित सैकड़ों लोगों के साथ ठगी कर चुके हैं। ठगी करने के बाद आरोपित बांग्लादेश चले जाते थे। कुछ दिन रहने वाले फिर से आ जाते थे। इसी तरह आरोपित देश के अलग-अलग हिस्सों में किराए पर कैमरा लेकर रहे

ग्रेटर नोएडा में लगातार नशे की तीसरी फैक्ट्री का भंडाफोड़, 200 करोड़ से अधिक की ड्रग्स बरामद; चार विदेशी गिरफ्तार

बीते साल से ग्रेटर नोएडा एक वजह से सबसे ज्यादा चर्चाओं में बना हुआ है और वो है यहां पकडी जाने वाली इग्स फैक्ट्रियां। गुरुवार को यहां फिर एक बड़ी ड्रग्स फैक्ट्री का भंडाफोड़ हुआ है। यहां से 200 करोड़ से ज्यादा की ड्रग्स बरामद की गई है। दो थानों की पुलिस और स्वाट टीम द्वारा मिलकर चलाए गए अभियान में चार विदेशी नागरिक पकड़े गए हैं।

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा से जिस तरह से लगातार डग्स की फैक्ट्रियों का भंडाफोड़ हो रहा है, उससे यह कहना गलत नहीं होगा कि शहर नगर के कारोबार का अड्डा बनता जा रहा है। राज्य पुलिस द्वारा सख्ती से नशे के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियानों के बाद भी गुरुवार को एक बार फिर पुलिस और स्वाट के साझा ऑपरेशन में एक बड़ी ड्रग्स फैक्ट्री का भंडाफोड़ हुआ है। यह ग्रेटर नोएडा में लगातार पकड़ी गई तीसरी ड्रग्स फैक्ट्री है। पुलिस ने यहां से चार विदेशी नागरिकों को मौके से गिरफ्तार किया है।

विदेश सप्लाई होती थी ड्रग्स: इसके साथ ही इस अभियान में 200 करोड़ से अधिक की ड्रग्स बरामद हुई है। बताया जा रहा है कि यहां से ड्रग्स की विदेश में

प्रदेश में चल रहे मादक पदार्थ पर प्रहार अभियान के तहत लगातार एक ही जोन में यह तीसरी कार्रवाई है। इस कार्रवाई को स्वाट, दादरी और ईकोटेक एक थाना पुलिस के संयुक्त ऑपरेशन के तहत अंजाम दिया गया है।

आखिर यूपी में क्या सियासी गुल खिलाएगी राहुल-अखिलेश की जोड़ी?

राहुल गांधी से पहले संवाददाता सम्मेलन की शुरुआत करते हुए अखिलेश यादव का यह कहना कि ₹मुझे खुशी है आज हम मिलकर प्रेस कॉन्फ्रेंस कर रहे हैं, बेहद अहम है।₹ उन्होंने तो साफ कहा कि यूपी में गाजियाबाद से लेकर गाजींपुर तक भाजपा का सफाया होने जा रहा है।

उत्तरप्रदेश में पहले चरण के मतदान से दो दिन पहले यानी गत बुद्धवार को दिल्ली से सटे गाजियाबाद महानगर के कौशांबी स्थित फाइव स्टार होटल रेडिसन ब्ल सभागार में, गाजियाबाद लोकसभा क्षेत्र की इंडिया गठबंधन की कांग्रेस प्रत्याशी डॉली शर्मा के समर्थन में कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी और समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने जो संयुक्त प्रेस वार्ता को संबोधित किया, उसके सियासी मायने स्पष्ट हैं। यहां के शानदार मंच से दोनों नेताओं ने भाजपा की मोदी सरकार के प्रति जो तल्खी दिखाई, उससे यह सवाल उभरकर सामने आया कि आखिर यूपी में क्या सियासी गुल खिलाएगी राहुल-अखिलेश की जोड़ी?

आपको पता होना चाहिए कि यूपी में कांग्रेस-सपा गठबंधन होने के बाद पहली बार दोनों नेता एक साथ, एक मंच पर दिखाई दिए और पत्रकारों के लाख कुरेदने के बावजूद भी संतुलित और सधे हुए अंदाज में जो बातें कहीं, उसके राजनीतिक मायने

पहला यही कि कांग्रेस-सपा की यह युगलबंदी लंबी चलेगी। क्योंकि पीएम पैदा करने वाले इस प्रदेश से यदि भाजपा और एनडीए गठबंधन को खदेड़ना है, तो पीएम के हवा-हवाई मुद्दों की बजाए राहुल गांधी-अखिलेश यादव के जमीनी मुद्दों यानी कांग्रेस की गारंटी (जिसमें इंडिया गठबंधन के मुद्दों को समाविष्ट किया गया है) की बात पर जोर देना होगा। कांग्रेस की गारंटी का मतलब समाज के समस्त दबे-कुचले लोगों के परवरिश और उत्थान की बात, जैसा कि उसमें समाविष्टिकया हुआ है। साफ शब्दों में कहें तो

किसान-मजदुर-कारीगर, यवा, महिलाएं कुटीर-लघु कारोबारी आदि के हित।

अपने किराए के मकान में सिंथेटिक

इग्स बनाते मिले हैं।

दूसरा, रामनवमी के दिन ही इंडिया गठबंधन के पहले संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस का आयोजन होने और इस दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी और सपा नेता अखिलेश यादव द्वारा देशवासियों और पत्रकारों को रामनवमी की बधाई देने का स्पष्ट मकसद है कि इंडिया गठबंधन सनातन मर्यादाओं की उपेक्षा अब नहीं करेगा। क्योंकि 2014 और 2019 का नजीर उसके सामने है। लिहाजा, 2024 में पुरानी गलतियों से सबक लेने की कोशिश की गई है। शुरुआत भी

तीसरा, इस प्रेस वार्ता में राहल गांधी का यह कहना कि ये चुनाव विचारधारा का चुनाव है, काफी अहम है। उनके शब्दों में, 'एक तरफ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भाजपा लोकतंत्र और संविधान को खत्म करने की कोशिश कर रहे हैं। वहीं, दूसरी तरफ कांग्रेस नीत इंडिया गठबंधन देश में लोकतंत्र और संविधान को बचाने की लड़ाई लड़ रही है।₹ इससे साफ है कि कांग्रेस अपने पुराने मुद्दे पर अडिग है और सावधानी पूर्वक नए मुद्दों से खुद को जोड़ रही है, जो

चतुर्थ, बकौल राहुल गांधी, ₹इस चुनाव में 2-3 बड़े मुद्दे हैं। वह है महंगाई, बेरोजगारी और भागीदारी। लेकिन इसके बारे में ना तो प्रधानमंत्री बात कर रहे हैं और ना ही बीजेपी बात कर रही है।₹ यही वजह है कि उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी पर सीधे हमला बोलते हुए कहा कि हमारे प्रधानमंत्री कभी मुद्दों पर बात नहीं करते। मुद्दों पर बात करने की बजाय कभी वह समुद्र की गहराईयों में चले जाते हैं, तो कभी वह आसमान में सी प्लेन पर चले जाते हैं। संभवतया जनता भी इस बात को समझने लगी है, जिससे यूपी में राहुल-अखिलेश का ग्राफ ऊंचा उठने के संकेत मिलने लगे हैं।

पांचवां, राहुल गांधी ने कहा कि पीएम ने एक साक्षात्कार में इलेक्टोरल बॉन्ड को सही बताया और चुनाव में पारदर्शिता लाने के लिए इसे जरूरी बताया । यदि यह सच है तो इस सिस्टम को सुप्रीम कोर्ट ने रद्द क्यों किया? उन्होंने यह भी कहा कि जिन लोगों ने भाजपा को चुनाव के नाम पर करोड़ों की रकम दी, भाजपा उनका नाम क्यों नहीं उजागर कर रही है। उन्होंने पीएम मोदी पर तंज कसते हुए यहां तक कहा कि इलेक्टोरल

बॉन्ड अपने आपमें दुनिया का सबसे बड़ा संगठित घोटाला है। इसमें सरकारी एजेंसी और बीजेपी नेतृत्व की दोनों भूमिका संदेहास्पद है। इस प्रकार इलेक्टोरल बांड सबसे बड़ा एक्सटॉर्शन है। पीएम मोदी भ्रष्टाचार के चैंपियन हैं। विपक्ष के नेता का ऐसा तेवर तभी दिखता है, जब सत्तारूढ़ सरकार का अवसान सुनिश्चित होने का फीडबैक कार्यकर्ता देते हैं।

छठा, राहुल गांधी से पहले संवाददाता सम्मेलन की शुरुआत करते हुए अखिलेश यादव का यह कहना कि मुझे खुशी है आज हम मिलकर प्रेस कॉन्फ्रेंस कर रहे हैं, बेहद अहम है। उन्होंने तो साफ कहा कि यूपी में गाजियाबाद से लेकर गाजीपुर तक भाजपा का सफाया होने जा रहा है। भाजपा की हर बात झुठी निकली। न किसान की आय दोगुनी हुई, न युवाओं को रोजगार मिला, विकास के वादे भी अधूरे हैं। इलेक्टोरल बॉन्ड ने इनकी पोल खोल दी है। भाजपा भ्रष्टाचारियों का गोदाम बन गई है। लूट और झूठ भाजपा की पहचान बन गई है। इसलिए मोदी-योगी सरकार से मुक्ति के लिए सामूहिक प्रयास करने होंगे। कार्यकर्ताओं को तालमेल बिठाकर चलना होगा।

सप्तम, अखिलेश यादव का यह कहना कि गाजियाबाद यानी पश्चिम उत्तरप्रदेश से चल रही हवा पूर्वी यूपी में गाजीपुर तक जाएगी और पूरे देश में बदलाव लाएगी। हमारा इंडिया गठबंधन गाजियाबाद से गाजीपुर तक क्लीन स्वीप करेगा। हमें पूरी उम्मीद है कि इस बार केंद्र में इंडिया गठबंधन की सरकार बनेगी, काफी अहम है। उनका यह कहना कि इस बार पश्चिम से बदलाव की हवा चली है। जनता भाजपा के झूठ और वादा खिलाफी से तंग आ चुकी है। इलेक्टोरल बॉन्ड ने भाजपा की बैंड बजा दी है। भाजपा भ्रष्टाचारियों का गोदाम बनकर रह गई है। उनकी इन बातों से साफ संकेत मिलता है कि उनके द्वारा शुरू किया हुआ पीडीए अभियान अपनी जमीनी पकड़ बना चुका है, जिसका आत्मविश्वास उनके शब्दों से झलक रहा है। कांग्रेस को भी इसका

अष्टम, आगामी चुनाव में सीटों की संख्या को लेकर पत्रकारों के सवालों के जवाब देते हुए राहुल गांधी का यह कहना कि पहले उन्हें लगता था कि बीजेपी 180 सीट जीत जाएगी, लेकिन अब उन्हें लग रहा है कि बीजेपी 150 सीटों पर सिमट जाएगी। इससे साफ जाहिर है कि मीडिया रिपोर्ट के उलट भी उनका जमीनी तंत्र सक्रिय है और उन्हें लगातार फीडबैक मिल रहे हैं। तभी तो उन्होंने कहा कि रहर राज्य से रिपोर्ट मिल रही है कि हम अच्छा कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश में हमारा गठबंधन बहुत मजबूत है और हम

नवम, कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने साफ कहा है कि गठबंधन तीन प्रमुख मुद्दों पर चुनाव लड़ रही है। इसमें पहला बेरोजगारी, दुसरा महंगाई और तीसरा भागीदारी है। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में हर बार परीक्षा का प्रश्नपत्र लीक होता है जिससे लाखों युवा आहत होते हैं। इसलिए, जब गठबंधन की सरकार आएगी तो वह युवाओं को रोजगार देगी। वहीं, प्रत्येक परिवार की एक महिला को सालाना एक लाख रुपये देगी। वहीं, जातीय जनगणना कराकर पिछडे लोगों को आगे ले

जाने का काम करेगी। दशम, इंडिया गठबंधन की कांग्रेस प्रत्याशी डॉली शर्मा के पक्ष में वोट करने की अपील के लिए आहुत इस संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में बागपत से सपा प्रत्याशी अमरपाल शर्मा के अलावा अन्य दो गठबंधन प्रत्याशियों को साथ खड़ा करके पत्रकारों को सामूहिक फोटो दिए। इस दौरान उन्होंने अपने गठबंधन के सभी प्रत्याशियों के लिए मतदान करने की अपील की। वहीं, मंच पर राष्ट्रीय महासचिव व उत्तरप्रदेश प्रभारी अविनाश पांडेय, उत्तरप्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष अजय राय, एआईसीसी के संचार प्रमुख जयराम रमेश, सोशल मीडिया प्रमुख सुप्रिया श्रीनेत, पूर्व सपा मंत्री शाहिद मंजूर व अन्य राजनेतागण की उपस्थिति से साफ संकेत मिलता है कि रणनीतिक स्तर पर पार्टी और गठबंधन कोई चूक करना नहीं चाहते हैं। वहीं, डॉली शर्मा द्वारा आयोजित किये गए इस शानदार व बेमिसाल प्रेस कॉन्फ्रेंस ने अन्य प्रत्याशियों में भी होड़ पैदा करने का कार्य कर चुकी है, जो सबके बस की बात नहीं है।

खास बात यह कि पत्रकारों ने राहुल गांधी और अखिलेश यादव की कमजोरी और मजबूती को लेकर, इंडिया गठबंधन और एनडीए को लेकर जितने भी तल्ख सवाल किए, उसका बेलाग जवाब देकर दोनों नेताओं ने यह साबित कर दिया कि यूपी में कोई नया सियासी गुल खिलाएगी राहुल-अखिलेश की जोड़ी। तैयारी पूरी है, बस जनादेश की जरूरत है, जिसके लिए तमाम सधी हुई पहल की जा रही है।

वाहन विशेष

टाटा मोटर्स अब भारत में बनाएगी जैगुआर लैंड रोवर की कारें? 1 बिलियन डॉलर के निवेश की उम्मीद

सूत्रों के अनुसार JLR का पहला प्लांट शुरू होने के बाद कारों को घरेलू स्तर पर बेचा जाएगा और निर्यात भी किया जाएँगा। हालांकि कंपनीं ने इसको लेकर कोई भी आधिकारिक टिप्पणी करने से इनकार कर दिया है। आपको बता दें कि टाटा मोटर्स ने 2008 में जेएलआर का अधिग्रहण किया था। आइए परी खबर के बारे में जान लेते हैं।

नर्डदिल्ली।Tata Motors की सब्सिडरी जगुआर लैंड रोवर (JLR) अब लग्जरी कारों का निर्माण भारत में ही करेगी। कंपनी तमिलनाडु में 1 बिलियन डॉलर का प्लांट लगाने की योजना बना रही है यह योजना पहली बार जेएलआर-ब्रांड वाली कारों को चिहिनत करेगी। JLR का भारत में पहला

सूत्रों के अनुसार JLR का पहला प्लांट शुरू होने के बाद कारों को घरेल स्तर पर बेचा जाएगा और निर्यात भी किया जाएगा। हालांकि, कंपनी ने इसको लेकर कोई भी आधिकारिक टिप्पणी करने से इनकार कर दिया है। आपको बता दें कि टाटा मोटर्स ने 2008 में

जेएलआर का अधिग्रहण किया था कंपनी ने क्या कहा? टाटा ने जेएलआर के लिए तमिलनाडु संयंत्र को लेकर कोई खुलासा नहीं किया कि वहां बनने वाले वाहन कौन से होंगे और उनकी उत्पादन क्षमता क्या होने वाली है? मौजुदा समय में जेएलआर की

ब्रिटेन में तीन कार फैक्ट्रियां हैं और

वह चीन, ब्राजील और स्लोवािकया

में कारें भी बनाती है।

इंडियन मार्कट में कंपनी रेंज रोवर इवोक, डिस्कवरी स्पोर्ट और जगुआर एफ-पेस जैसी कारें बेचती है। इन्हें ब्रिटेन से इम्पोर्ट करके पुणे में असेंबल किया जाता है। जेएलआर टाटा मोटर्स के राजस्व में लगभग दो-तिहाई का योगदान देता



भारत में अपनी सबसे सस्ती ईवी बनाएगी टेस्ला! पीएम मोदी से मिलने के बाद ऐलन मस्क कर सकते हैं कई बडे ऐलान

कंपनी की तरफ से भारत में पहली और एशिया में तीसरी ईवी बनाने की फैक्ट्री लगाने की संभावना है। इसके साथ ही यह भी माना जा रहा है कि टेस्ला सीईओ मस्क भारत में दुनिया की अपनी सबसे सस्ती इलेक्ट्रिक कार बनाने का भी एलान करेंगे। एलन मस्क की पीएम मोदी से मुलाकात 22 अप्रैल 2024 को होना संभव है।

परिवहन विशेष न्यूज

नर्ड दिल्ली। दिनया की सबसे बडी इलेक्ट्रिक कार निर्माता कंपनी Tesla और सोशल मीडिया साइट X के प्रमुख Elon Musk अगले सप्ताह भारत में होंगे। इस दौरान वह भारत के तीन प्रमुख औद्योगिक सेक्टर सोलर ऊर्जा, इलेक्ट्रिक वाहन और सैटेलाइट के जरिए इंटरनेट सेवा में उतरने की घोषणा कर सकते हैं।

इंडिया में बनेगी Tesla की सबसे

कंपनी की तरफ से भारत में पहली और एशिया में तीसरी ईवी बनाने की फैक्टी लगाने की संभावना है। इसके साथ ही यह भी माना जा रहा है कि टेस्ला सीईओ मस्क भारत में दुनिया की अपनी सबसे सस्ती इलेक्ट्रिक कार बनाने का भी एलान करेंगे ।

भारत स्थित प्लांट यहां के घरेलू बाजारों से ज्यादा एशिया और लैटिन अमेरिकी देशों के बाजारों को ध्यान में रख कर लगाने की तैयारी है। टेस्ला प्रमुख की तरफ से ये सारी घोषणाएं तब होंगी, जब भारत में आम चुनाव का दौर शुरु हो चुका है और पीएम मोदी की सरकार वर्ष 2047 तक भारत को विकसित देशों की श्रेणी में खड़ा करने की बात लगातार कर रही

PM Modi से होगी 22 अप्रैल को

मस्क की पीएम मोदी से मुलाकात 22 अप्रैल, 2024 को होना संभव है। एलन मस्क की भारत में अपनी सैटेलाइट आधारित इंटरनेट सेवा स्टारलिंक को लेकर भी घोषणा करने वाले हैं। एक दिन पहले ही दरसंचार विभाग (डॉट) ने स्टारलिंक की भारतीय संचालन संबंधी प्रस्ताव को सैद्दांतिक मंजूरी दे

इसकी अंतिम मंजूरी गृह मंत्रालय, वित्त मंत्रालय और संचार मंत्रालय के बीच विमर्श के बाद मिलेगी। संभवतः जब मस्क शनिवार को देर शाम तक नई दिल्ली पहुंचेंगे तब तक उक्त मंजूरी भी मिल जाएगी। भारत सरकार ने इस सेवा को लेकर पूर्व में जो भी सवाल उठाए



TESLA

थे उसका जवाब कंपनी की तरफ से दे दिया गया है। जैसे कंपनी का शेयरहोल्डिंग पैटर्न क्या है और निवेश के लिए संबंधित राशि कहां से दी जाएगी।

इंटरनेट सेवा भी होगी शुरू?

सैटेलाइंट आधारित संचार व इंटरनेट सेवा भारत में देने को लेकर मस्क ने जून, 2023 में ही अपनी मेंशा जताई थी। इससे दुर-दराज या पहाड़ी इलाकों में बहत ही तेज गति से इंटरनेट सेवा दी जा सकती है। मस्क भारत की यात्रा पर तब आ रहे हैं जब चीन व अमेरिका के ईवी में उनकी हिस्सेदारी कम होने की खबर आई है।

आगे बढ़ रही हैं। ऐसे में टेस्ला की नजर भारतीय बाजार पर है और वह भारत में ऐसी इलेक्ट्रिक कार लांच करना चाहती है जो दनिया भर के विकासशील बाजारों में बेची जा सके। बैठक के बाद होंगे

कर्डफैसले एक तरह से भारत अभी टेस्ला के लिए एक प्राथमिकता वाला देश बन गया है जहां वह ईवी के अलावा दूसरे प्रौद्योगिक आधारित उद्योगों में निवेश कर सकती है। बहरहाल, इस बारे में विस्तार से घोषणा पीएम मोदी के साथ बैठक के बाद होने की संभावना है। कंपनी यह भी बताएगी की उसका भारत स्थित संयंत्र किस राज्य में होगा। मस्क की भारतीय स्टार्ट अप और देश के कुछ प्रसिद्ध

उद्योगपतियों से भी मुलाकात होगी।

महिंद्रा बोलेरो Neo+ का कौन-सा वेरिएंट आपके लिए बेहतर? खरीदने से पहले जान लीजिए



Mahindra Mahindra ने इस सप्ताह की शुरुआत में देश के थ्री-रो एसयूवी सेगमेंट में एक नया प्रोडक्ट पेश किया है। इस एसयूवी की शुरुआती कीमत 11.39 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) है जबिक टॉप वेरिएंट की कीमत 12.49 लाख (एक्स–शोरूम) है। बिल्कूल नई महिंद्रा बोलेरो नियो+ पी4 एसयुवी का बेस वेरिएट है। महिंद्रा बोलेरो नियो+ पी10 एसयूवी का टॉप ट्रिम है जो पी4 की तुलना में अधिक फीचर से भरपुर है।

नईदिल्ली।Mahindra & Mahindra ने इस सप्ताह की शुरुआत में देश के थ्री-रो एसयूवी सेगमेंट में एक नया प्रोडक्ट पेश किया है। कंपनी को ओर से Bolero Neo+ लॉन्च की गई है। दो अलग-अलग वेरिएंट में उपलब्ध इस एसयुवी की शुरुआती कीमत 11.39 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) है, जबकि टॉप वेरिएंट की कीमत 12.49 लाख (एक्स-शोरूम) है।

एसयवी तीन अलग-अलग रंग विकल्पों- नेपोली ब्लैक, मैजेस्टिक सिल्वर और डायमंड व्हाइट में उपलब्ध है। बोलेरो नियो+ केबिन के अंदर 2-3-4 सीटिंग लेआउट के साथ आता है। इस नई लॉन्च की गई एसयवी का पावरटेन महिंदा बोलेरो नियो के हड़ के नीचे काम करने वाले पावर मिल से बड़ा और अलग है।

महिंद्रा बोलेरो नियो+ में 2.2-लीटर एम-हॉक डीजल इंजन है, जो 6-स्पीड मैनुअल गियरबॉक्स से जुड़ा है। ये इंजन 118 bhp की अधिकतम पावर और 280 Nm का अधिकतम टॉर्क पैदा करने में सक्षम है। कंपनी इसे दो टिम विकल्पों में बेचती है।

Mahindra Bolero Neo+P4 बिल्कुल नई महिंद्रा बोलेरो नियो+ पी4 एसयुवी का बेस वेरिएंट है। इसमें आगे और पीछे एक्स-आकार के

बंपर, व्हील कवर के साथ स्टील व्हील, बॉडी के रंग के व्हील कवर, आगे और पीछे टो हुक और पीछे के फुटस्टेप के साथ आता है।

केबिन के अंदर, एसयुवी में स्लाइडिंग और रिक्लाइनिंग फ्रंट सीट्स, विनाइल अपहोल्स्ट्री, एक ग्रीन-टिंटेड विंडशील्ड. 12V चार्जिंग पॉइंट. इको मोड के साथ एसी, टिल्ट एडजस्टेबल स्टीयरिंग व्हील, फ्रंट और रियर पावर विंडो. सीट के पीछे मोबाइल पॉकेट दिए गए

सेफ्टी के लिहाज से बोलेरो नियो+ एसयूवी के पी4 वेरिएंट में सेंट्रल लॉकिंग सिस्टम, डुअल एयरबैग, ईबीडी रिवर्स पार्किंग सेंसर के साथ एबीएस. सीट बेल्ट रिमाइंडर अलर्ट और हाई-स्पीड अलर्ट सिस्टम जैसे फीचर्स दिए

Mahindra Bolero Neo+P10

महिंद्रा बोलेरो नियो+ पी10 एसयूवी का टॉप ट्रिम है, जो पी4 की तुलना में अधिक फीचर से भरपूर है।P4 की सभी विशेषताओं के साथ इस वेरिएंट में रेडिएटर ग्रिल पर क्रोम एलीमेंट भी मिलते हैं। इसके अलावा, यह बाहरी हिस्से में फॉग लैंप, अलॉय व्हील और साइड फुटस्टेप के

केबिन के अंदर जाने पर एसयूवी में डैशबोर्ड पर पियानो ब्लैक इंसर्ट और यूएसबी, ब्लूट्रथ और ऑक्स-इन कनेक्टिविटी के साथ 9 इंच का टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम है। इसके अलावा, इसमें चार स्पीकर और दो टवीटर, क्रोम गार्निशिंग के साथ एक डअल पॉड इंस्टमेंट क्लस्टर, हाइट एड जस्टेबल ड्राइवर सीट, फ्रंट आर्मरेस्ट, फैब्रिक अपहोल्स्टी, सेकेंड रो में फोल्डेबल सीटस और आर्मरेस्ट है। इसमें इलेक्ट्रिकली एडजस्टेबल ओआरवीएम, रिमोट की और स्टीयरिंग-माउंटेड कंट्रोल

बोलेरो नियो+ के P10 वेरिएंट की सुरक्षा सुविधाओं में ISOFIX चाइल्ड सीट एंकरेज पॉइंट, फॉलो-मी-होम हेडलैंप, रिवर्स पार्किंग असिस्ट, रियर वाइपर और वॉशर, रियर डिफॉगर आदि शामिल हैं।

होंडा 2व्हीलर्स ने मानेसर में शुरू की नई असेंबली लाइन, अब विदेश भेजे जाएंगे मेड-इन-इंडिया इंजन

परिवहन विशेष न्यूज

HMSI ने हरियाणा के मानेसर प्लाट में अपनी नई इंजन असेंबली लाइन का उद्घाटन किया है। मानेसर में Honda 2Wheeler India की ग्लोबल रिसोर्स फैक्ट्री का एक विशाल परिचालन सेटअप है और यह ब्रांड के घरेलू परिचालन का मुख्यालय भी है। प्लाट की स्थापना 2001 में हुई थी और एक्टिवा स्कूटर इस सुविधा से बाहर आने वाला पहला बड़े पैमाने पर उत्पादन वाला मॉडल था।

नई दिल्ली।होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया (HMSI) ने हरियाणा के मानेसर प्लॉट में अपनी नई इंजन असेंबली लाइन का उद्घाटन किया है। नई असेंबली लाइन की प्रतिदिन 600 इंजनों की निर्माण क्षमता है और यह कंपनी के

लाइनअप में कई मॉडलों के लिए 110 सीसी से 300 सीसी तक के इंजन का उत्पादन करेगी। यह कंप्लीटली नॉक्ड डाउन (CKD) निर्यात पर ध्यान केंद्रित करेगा।

एक्सपोर्ट किए जाएंगे इंजन

मानेसर में Honda 2Wheeler India की ग्लोबल रिसोर्स फैक्ट्री का एक विशाल परिचालन सेटअप है और यह ब्रांड के घरेल परिचालन का मख्यालय भी है। प्लांट की स्थापना 2001 में हुई थी और एक्टिवा स्कूटर इस सुविधा से बाहर आने वाला पहला बड़े पैमाने पर उत्पादन वाला मॉडल था।

पिछले कुछ वर्षों में यह सुविधा एक प्रमुख निर्यात केंद्र के रूप में विकसित हुई है और यूरोप, मध्य और लैटिन अमेरिका, मध्य पूर्व, दक्षिण पूर्व एशिया, जापान, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और सार्क देशों सहित वैश्विक स्तर पर 58 देशों में वाहन भेजती है।

कंपनी ने क्या कहा?

नई इंजन असेंबली लाइन के बारे में बोलते हुए, एचएमएसआई के प्रबंध निदेशक, अध्यक्ष और सीईओ, त्सुत्सुमु ओटानी ने कहा, ₹हम मानेसर में

अपने ग्लोबल रिसोर्स फैक्टी में सीकेडी निर्यात के लिए एक नई इंजन असेंबली लाइन पेश करके खश हैं। यह हमारे अथक प्रयास का प्रमाण है।

इस कदम के साथ, एचएमएसआई का लक्ष्य उद्योग में तकनीकी प्रगति को बढ़ावा देना, बाजार विस्तार में नई ऊंचाइयों तक पहुंचना और वैश्विक गुणवत्ता मानकों का पालन करना है।

कैसे होगा काम?

चीन अभी ईवी का सबसे तेजी से बढ़ने

वाला बाजार है, लेकिन वहां की घरेल

कंपनियां (बीवाइडी आदि) काफी तेजी से

नई होंडा सीकेडी इंजन असेंबली लाइन क्रिटिकल टॉर्किंग के लिए डीसी ट्रल्स का उपयोग करेगी। यह एक विजन कैमरा इंस्पेक्शन सिस्टम और भागों और प्रक्रियाओं की पूरी ट्रेसबिलिटी से भी लैस होगा। होंडा का यह भी कहना है कि इंजन ट्यून का निरीक्षण करने के लिए एक डेडिकेटेड एग्जॉस्ट कलेक्शन लाइन और एक एकॉस्टिक चैंबर है।

इसके अलावा, नई इंजन असेंबली लाइन में कसने और टॉकिंग के लिए फ्लाईव्हील असेंबली ऑटोमेशन सिस्टम मिलता है। त्रुटि-मुक्त प्रक्रिया के लिए एक ऑटोमैटिक पिस्टन पार्स वेरीफिकेशन और एक छोटी पार्ट्स इंटरलॉकिंग यूनिट है। होंडा भारत में दूसरी सबसे बड़ी दोपहिया



भाजपा का संकल्प पत्र अन्य घोषणा पत्रों से अलग

देखें तो

कांग्रेस का घोषणा पत्र ज्यादातर फ्रीबीज

या-वायदों, नरेंद्र मोदी सरकार का विरोध एवं

विशेषकर मुसलमानों को खुश करने के लिए

सतही घोषणाओं से भरा है। भाजपा के संकल्प

व्यापक विजन, सपने व लक्ष्य तथा उसे प्राप्त

करने के लिए मनुष्य जीवन के एक-एक पहलू

पर व्यावहारिक तरीके से ऐसी कार्य योजनाएं

दी गई हैं जिनसे आम आदमी को भी लगेगा कि

यह सब संभव है। यह भाजपा के हर संकल्प

और घोषणा में दिखता है कि भारत को अन्य

देशों की तरह महाशक्ति या विकसित देश

नहीं, बल्कि इसकी विरासत यानी सभ्यता,

वैश्वक कल्याण के भाव के चरित्र वाले देश

घोषणा पत्र के सभी ङ्कषबदुओं में विस्तार

से जाना न संभव है और न आवश्यक ही। यह

करता है। ऐसा नहीं है कि भाजपा के प्रति किसी

में असंतोष या क्षोभ नहीं है, पर उन्हें भी लगता

है कि उनके पास तत्काल इस पार्टी के अलावा

कोई विकल्प नहीं है। भाजपा की आलोचना में

उनके पास इस तरह की घोषणाओं का नैतिक

प्राण-प्रतिष्ठा का बहिष्कार करती है वह कैसे

विपक्षी दल इतने आगे निकल जाते हैं कि

आधार नहीं बचता। जो पार्टी रामलला की

घोषणा करेगी कि दुनिया भर में श्रीराम के

विचारों को फैलाने के लिए रामायण उत्सव

मनाया जाएगा। इसमें भगवान राम की मूर्ति व

विरासत को बढ़ावा देने वाले दुनिया के सभी

इसके साथ अयोध्या के और समग्र

का डिजिटलकरण आदि का वायदा किसी

पार्टी के घोषणा पत्र में नहीं है। दक्षिण और

उत्तर के बीच विभाजन पैदा करने वालों ने

विकास, भारतीय पांडुलिपियों और पुरालेखों

देशों को सहयोग देने का वायदा किया गया है।

मूल विचार भाजपा को भारत के सभी अन्य

दलों एवं नेताओं से अलग वैशिष्ट्य प्रदान

संस्कृति, अध्यात्म, संपूर्ण मानवता और

के रूप में खड़ा होना है।

पत्र में एक राष्ट्र के रूप में भारत को लेकर

अलग-अलग तरीके से अल्पसंख्यकों

अवधेश कुमार

भाजपा और अन्य पार्टियों के बीच गुणात्मकता की कसौटी पर कितना बड़ा अंतर आ गया है यह हर कदम पर दिखाई देता है। सभी पार्टियों के घोषणा पत्र देखें तो साफ हो जाएगा कि राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा नेतृत्व से प्रतिस्पर्धा करने में ज्यादातर पार्टियां

इतना पीछे...



तिमल भाषा और तिमल अस्मिता की वैश्विक प्रतिष्ठा बढ़ाने की घोषणा नहीं की। भाजपा ने इसे प्रमुख स्थान दिया है। तिमल संत तिरुवल्लुवर के विचारों के संपूर्ण विश्व में प्रचार के लिए तिरुवल्लुवर कल्चरल सैंटर का संकल्प व्यक्त करना बताता है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पार्टी की सोच भारतीय एकता, अखंडता की दृष्टि से व्यापक है। भारतीय सभ्यता -संस्कृति से जुड़े विरासत स्थलों के विकास की बात बारे प्रधानमंत्री मोदी ने अपने भाषण में कहा और संकल्प पत्र में भी है। यह सामान्य समझ की बात है और जैसा प्रधानमंत्री ने कहा, टूरिज्म यानी पर्यटन ऐसा क्षेत्र है जहां कम लागत में सर्वाधिक रोजगार मिलता है। सच यही है कि इससे विकास गति को तीवता भी मिलती है।

भारत के अंदर और बाहर हमारी विरासत ही पर्यटकों या तीर्थयात्रियों के आकर्षण के शीर्ष केंद्र बन रहे हैं। वाराणसी से लेकर केदारनाथ, बद्रीनाथ, उज्जैन महाकाल तिरुपति, मीनाक्षीपुरम, रामेश्वरम आदि धार्मिक स्थानों पर तीर्थयात्रियों या पर्यटकों की अभूतपूर्व संख्या इसका प्रमाण है। विपक्षी पार्टियां भाजपा की आलोचना करें किंतु यह भी सीखें कि कितनी गहनता और सूक्ष्मता से उसका शीर्ष नेतृत्व अपने समक्ष उपलब्ध सारे साधनों का उपयोग करते हुए समाज के मनोविज्ञान, समस्याओं तथा उन्हें सुलझाने के तरीकों आदि को समझता है। ज्यादातर पार्टियां अब घोषणा पत्र के पहले सुझाव लेती हैं किंतु भाजपा की परिधि व्यापक है। घोषणा पत्र समिति के अध्यक्ष राजनाथ सिंह ने बताया कि उन्हें 15 लाख सुझाव प्राप्त हुए जिनमें चार लाख नमो ऐप और 10 लाख वीडियो के माध्यम से भेजे गए।

सबका अध्ययन करने के बाद विचार किया गया कि इनकी वास्तविक स्थित क्या है. इनको कैसे लागू किया जा सकता है, केंद्र के विषय हैं या राज्य के, लागू करने में समस्याएं क्या आएंगी, वित्तीय स्थिति क्या होगी आदि-आदि? इन सबके बाद सुझावों को 24 संकल्पना में समाहित किया गया। गरीब, किसान महिला और युवा के साथ समाज को 10 अलग-अलग वर्ग के रूप में रेखांकित करते हुए शासन की दृष्टि से संकल्प को 24 सैक्टर में विभाजित किया है। इनमें सुरक्षित भारत , समृद्ध भारत, विश्व के वैश्विक मैन्युफैक्चरिंग हब के रूप में भारत को विकसित करने, सभी क्षेत्रों का संतुलित विकास, विरासत विकास आदि शामिल हैं। इतने गहन विचार-विमर्श के कारण ही जहां कांग्रेस या अन्य पार्टी की गारंटियां और न्याय में से अनेक और अव्यावहारिक एवं केवल लोगों को लुभाने के वायदे दिखते हैं वहीं भाजपा की घोषणाएं व्यावहारिक। उदाहरण के लिए मुद्रा योजना के अनुभवों के बाद अब इसमें कर्ज की सीमा को 10 लाख से 20 लाख किया गया तो आयुष्मान योजना को जारी रखते हुए 70 वर्ष के सभी उम्र के लोगों को इसमें समाहित करने की बात है। जहां अन्य पार्टियों ने बिजली मुफ्त देने की बात कही है वहीं भाजपा के घोषणा पत्र में पूर्व के अनुरूप ही लोगों को बिजली उत्पादक और विक्रेता बनने और इसके आधार पर उनके बिजली खर्च घटाने की बात है।

समाज के वंचित, पिछड़ा, दिलतों, आदिवासियों, किसानों, महिलाओं, युवाओं आदि के लिए भाजपा के संकल्प पत्र में सहयोग और कल्याण योजनाओं का लक्ष्य उनको विकसित और सशक्त बनाना है। उदाहरण के लिए आदिवासियों के लिए एकलव्य विद्यालयों की संख्या बढ़ाना तथा और परिष्कृत करना, गरीबों के लिए 4 करोड़ पक्के घर की योजनाओं का विस्तार कर 3 करोड़ और नए घर जोड ने, सस्ता गैस सिलैंडर जारी रखना, शहरी और प्रामीण इलाकों में घर-घर पाइप के जिरए गैस पहुंचाने की योजना पर काम शुरू करने की बातों में किसी को अव्यावहारिकता नहीं लगेगी। रेहड़ी, पटरी, ठेले वालों को 50 हजार तक कर्ज देने वाली स्वनिधि योजना का विस्तार छोटे शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों तक करने तथा ऋण की सीमा बढ़ाने, किसान सम्मान निधि ज्यादा जारी रखने एवं ग्रामीण इलाकों में खाद्य प्रसंस्करण इकाइयां लगाने आदि छोटे शहरों और गांव के विकास की अस्थाई आधारभूमि बनाने की कोशिश ही तो है। प्रधानमंत्री ने कहा भी कि आधारभूत संरचना का विकास कर हम नए रोजगार पैदा करेंगे लेकिन रोजगार की गणवत्ता भी बढाएंगे।

क्वांटिटी ऑफ अपॉर्चुनिटी के साथ क्वालिटी ऑफ अपॉर्चुनिटी भी। इसमें नए शिक्षण संस्थानों के निर्माण, 5 प्रतिशत के विस्तार और 6 जी की तैयारी के साथ ही सूवस सैंटर और टैलीमैडिसिन का विस्तार से साफ पता चलता है कि प्रधानमंत्री आधुनिक तकनीक, आर्टिफिशियल इंटैलीजैंस और संचार के संपूर्ण उपयोग की जिन योजनाओं पर काम कर रहे हैं उन्हें आगे और सुदृढ़ किया जाएगा। भाजपा के विचारधारा से जुड़े लंबे समय से घोषणा पत्र में शामिल 3 मुद्दों में से अनुच्छेद 370 एवं राममंदिर का निर्माण पूरा हो गया किंतु राष्ट्र स्तर पर समान नागरिक संहिता शेष है। संकल्प पत्र में इसका उल्लेख तथा प्रधानमंत्री द्वारा भाषण में चर्चा बताता है कि तीसरे कार्यकाल में यह घोषणा भी मूर्त रूप ले लेगा। उत्तराखंड में इसे लागू किए जाने के बाद इसकी स्वाभाविक अपेक्षा थी। स्वाभाविक ही विपक्ष यह नहीं कह सकेगा कि आपके वायदों का क्या हुआ ? संभव है कुछ विचारधारा से जुड़े अन्य मुद्दे को आगे सत्ता कायम रहने पर लागू किया जाए।

संपादक की कलम से

शहरों में महंगाई में कुछ कमी तो ग्रामीण क्षेत्रों में हुई वृद्धि



हालांकि खाद्य पदार्थों की महंगाई में कुछ कमी आई है और फरवरी के 5.1 प्रतिशत के मुकाबले मार्च में कम होकर 10 महीनों के न्यूनतम स्तर 4.85 पर पहुंच गई, परंतु कीमतें लगातार दबाव में बनी हुई हैं तथा खाद्य महंगाई 8.52 पर खड़ी रही जो फरवरी महीने के 8.66...

हालांकि खाद्य पदार्थों की महंगाई में कुछ कमी आई है और फरवरी के 5.1 प्रतिशत के मुकाबले मार्च में कम होकर 10 महीनों के न्यूनतम स्तर 4.85 पर पहुंच गई, परंतु कीमतें लगातार दबाव में बनी हुई हैं तथा खाद्य महंगाई 8.52 पर खड़ी रही जो फरवरी महीने के 8.66 प्रतिशत से मामूली कम है। इस अवधि के दौरान अनाजों और मांस की कीमतें चढ़ीं जबिक सिब्जियों, दालों, मसालों और अंडों की महंगाई दोहरे अंकों में बनी रही।

मार्च में शहरी इलाकों में मुद्रास्फीति फरवरी में 4.14 प्रतिशत से घट कर 4.8 हो गई परंतु ग्रामीण इलाकों में यह फरवरी में 5.34 प्रतिशत से बढ़ कर मार्च में 5.45 प्रतिशत हो गई। ग्रामीण इलाकों में खाद्य पदार्थों की कीमतों में भी वृद्धि का यह रुझान दिखाई दिया जो फरवरी में 8.3 प्रतिशत से बढ़ कर मार्च में 8.6 प्रतिशत हो गई जबिक शहरी इलाकों के उपभोक्ताओं के लिए महंगाई फरवरी में 9.2 प्रतिशत से घट कर मार्च में 8.35 प्रतिशत हो गई। मार्च में अनाज की कीमतों में वृद्धि फरवरी के 7.6 प्रतिशत से बढ़ कर 8.4 प्रतिशत हो गई। इसी प्रकार मांस और मछली के भाव भी एक महीने पहले के 5.2 प्रतिशत से बढ़कर मार्च में 6.4 प्रतिशत बढ़ गए। यह बात इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 (2019-2021) के अनुसार भारत में 57.3 प्रतिशत पुरुष और 45.1 प्रतिशत महिलाएं मांसाहारी हैं। हालांकि मसालों की कीमतों में

फरवरी महीने की तुलना में कुछ कमी देखी गई है और यह 13.5 प्रतिशत से कम होकर 11.4 प्रतिशत से अधिक रहीं। सब्जी की कीमतें फरवरी में 7 महीने के उच्चतम स्तर 30.25 प्रतिशत से कुछ कम होकर पिछले महीने 28.3 प्रतिशत हो गईं। इसी प्रकार दालों की कीमतों में भी कुछ कमी देखने में आई जिनकी कीमत फरवरी में 18.5 प्रतिशत से कम होकर मार्च में 17.7. प्रतिशत हो गईं।

रिजर्व बैंक ने पिछले सप्ताह महंगाई को 'कमरे में हाथी' करार देते हुए इसे हमेशा के लिए जंगल में लौटाने की जरूरत पर बल दिया था और उसे आशा है कि ख़ुदरा मद्रास्फीति इस वर्ष 5.4 प्रतिशत से कम होकर औसतन 4.5 प्रतिशत हो जाएगी जो चालू अप्रैल से जून तिमाही में औसत 4.9 प्रतिशत रहने की आशा है। बेशक आंकड़ों में खाद्य पदार्थों की महंगाई में कुछ कमी दिखाई दे रही है परंतु विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में खाद्य पदार्थों की कीमतों में वृद्धि हो गई है और चूंकि मौसम वैज्ञानिकों द्वारा इस वर्ष पहले से कहीं अधिक गर्मी पड़ने की भविष्यवाणी की गई है इसलिए आने वाले महीनों में खाद्य पदार्थों की कीमतों में और वृद्धि हो सकती है। अतः इस बात को ध्यान में रखते हुए ये जरूरी है कि सरकार देश में खाद्य संकट पैदा न होने दे।

राय

आखिर पाकिस्तान, भारत से क्यों डरा?

क्या मोदी सरकार की आतंकवाद-विरोधी नीति और पाकिस्तान में भारत के दुश्मनों की हत्या में कोई संबंध है? अभी हाल ही में पाकिस्तान ने आरोप लगाया है कि 14 अप्रैल को आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के संस्थापक हाफिज सईद के सहयोगी अमीर सरफराज तांबा की 'अज्ञात

क्या मोदी सरकार की आतंकवाद-विरोधी नीति और पाकिस्तान में भारत के दुश्मनों की हत्या में कोई संबंध है ? अभी हाल ही में पाकिस्तान ने आरोप लगाया है कि 14 अप्रैल को आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के संस्थापक हाफिज सईद के सहयोगी अमीर सरफराज तांबा की 'अज्ञात बंदूकधारियों' द्वारा हत्या में 'भारत की भूमिका' है। आलेख लिखे जाने तक सरफराज जीवित है या गंभीर रूप से घायल, इसे लेकर पाकिस्तानी अधिकारियों में भ्रम की स्थिति है। कुछ समय से पाकिस्तान में वे आतंकवादी 'अज्ञात हमलावरों' का शिकार बन रहे हैं, जो भारत की 'सर्वाधिक वांछित सूची' में शामिल हैं। इसमें मौलाना रहीम उल्लाह तारिक, अकरम गाजी, ख्वाजा शाहिद, शाहिद लतीफ, रियाज अहमद, मौलाना जिया-उर-रहमान, खालिस्तानी परमजीत सिंह पंजवड और बशीर अहमदपीर शामिल हैं।पाकिस्तानी मंत्री नकवी ने सरफराज के साथ इन हत्याओं में भी भारत के शामिल होने का आक्षेप लगाया है।अखिरसरफराजनेऐसाक्याकियाथाकि उसकीहत्याका बेतुका आरोप पाकिस्तान ने सीधा भारत पर लगा दिया ? माना जाता है कि सरफराज और उसके साथी मुद्दसर ने पाकिस्तानी सेना और खुफिया एजैंसी आई.एस.आई. के इशारे पर वर्ष 2013 में लाहौर की जेल में बंद भारतीय नागरिक सरबजीत सिंह की पीट-पीटकर हत्या कर दी थी।

यह हत्या भारत में आतंकवादी अफजल गुरु की फांसी के दो माह बाद हुई थी, जो 13 दिसंबर 2001 को भारतीय संसद हमले का मुख्य षड्यंत्रकत्रा था। कालांतर में पाकिस्तान की एक अदालत ने सरबजीत की हत्या के दोनों आरोपियों को इसलिए बरी कर दिया क्योंकि जेल में उपस्थित किसी ने भी इनके खिलाफ गवाही नहीं दी। यह स्थिति तब थी, जब पोस्टमार्टम में सरबजीत के शव पर बर्बरता के कई निशान मिले थे। सरबजीत भारत-पाकिस्तान सीमा पर बसे तरनतारन जिले (पंजाब) के भिखीविंड गांव के रहने वाले थे। 30 अगस्त 1990 को वे अनजाने में पाकिस्तान पहुंच गए थे, जहां उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। इसके बाद सरबजीत को बम धमाका मामले में फंसाकर बाद में दोषी ठहराते हुए मौत की सजा सुना दी।सरबजीत की बहन दलबीर कौर 1991 से लेकर 2013 में उनकी नृशंस हत्या तक रिहाई के लिए पाकिस्तान से लगातार पैरवी कर रही थी। 11 वर्ष बाद सरबजीत का मामला पुनः अपने 'हत्यारे' सरफराज की 'अज्ञात हमलावरों' द्वारा 'हत्या' के कारण फिर से सुर्खियों में है। पाकिस्तान से पहले ब्रिटिश समाचारपत्र 'द गार्जियन' ने 6 अप्रैल को प्रकाशित अपनी रिपोर्ट में दावा किया था कि भारत विदेशी धरती पर रहने वाले अपने सर्वाधिक वांछितों को समाप्त करने की रणनीति के अंतर्गत पाकिस्तान में लोगों की हत्या कर रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, ''2019 में हुए पुलवामा हमले के बाद से भारतीय खुफिया एजैंसी रॉ ने 20 हत्याएं करवाईं। इन सभी को भारत अपना दुश्मन मानता था।'' भारत सरकार इसरिपोर्ट को सिरे से खारिज कर चुकी है। यह तीसरी बार है, जब भारत पर विदेशी धरती पर अपने दुश्मनों की हत्या या हत्या का प्रयास करने का आरोप लगाया गया है। इससे पहले, गत वर्ष कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन टूडो ने दावा किया था कि खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारत का हाथ

तमिल नाडू की राजनीति जो करवट ले रही है वह राष्ट्रीय परिदृश्य पर बड़ा असर डालने वाली है

नीरज कुमार दुबे

तिमलनाडु में इस समय देखने को मिल रहा है कि सभी राजनीतिक दलों ने सोशल इंजीनियरिंग पर खास ध्यान दिया है। राज्य में द्रमुक और अन्नाद्रमुक के पास अपना-अपना परम्परागत वोट बैंक है। अब भाजपा की ओर से भी दावेदारी जताने से बाकी सबके समीकरण थोडे-बहत बिगडते दिख रहे हैं।

तिमलनाडु में लोकसभा की 39 सीटें हैं। यहां सत्तारुढ़ द्रमुक ने कांग्रेस और वामदलों के साथ गठबंधन किया है तो विपक्षी अन्नाद्रमुक ने एआईएमआईएम के साथ गठजोड़ किया है तो दूसरी तरफ भाजपा ने कुछ क्षेत्रीय दलों को एनडीए में शामिल करवा कर चुनावी लड़ाई को त्रिकोणीय बनाने का प्रयास किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जिस तरह इस बार तमिलनाडु में सघन प्रचार किया है उससे प्रदर्शित होता है कि उन्हें इस बार तमिलनाडु से काफी अपेक्षाएं हैं। यह अपेक्षाएं कितनी पूरी होती हैं यह तो आने वाला समय ही बतायेगा लेकिन इतना तो दिख ही रहा है कि भाजपा पिछले लोकसभा चुनावों की तरह इस बार तमिलनाडु में खाली हाथ नहीं रहेगी।

तिमलनाडु में इस समय देखने को मिल रहा है कि सभी राजनीतिक दलों ने सोशल इंजीनियरिंग पर खास ध्यान दिया है। राज्य में द्रमुक और अन्नाद्रमुक के पास अपना–अपना परम्परागत वोट बैंक है। अब भाजपा की ओर से भी दावेदारी जताने से बाकी सबके समीकरण थोड़े-बहुत बिगड़ते दिख रहे हैं। राज्य में कन्याकुमारी और तिरुनेलवेली ऐसे क्षेत्र हैं जहां भाजपा और कांग्रेस का जनाधार स्थानीय दलों के मुकाबले अच्छा है। पिछले चुनावों में द्रमुक ने राज्य में बाकी सभी दलों का सूपड़ा साफ कर दिया था और इस बार भी वह पिछला प्रदर्शन दोहराने के लिए एड़ी चोटी का जोर लगा रही है। वहीं दूसरी ओर विपक्षी अन्नाद्रमुक भी द्रमुक को परास्त करने के लिए प्रयासरत है। इस बार अन्नाद्रमुक यह सुनिश्चित करने के लिए पसीना बहा रही है कि सभी जातियों के मतदाता पार्टी के साथ रहें और विद्रोही नेताओं- टीटीवी दिनाकरन और ओ पन्नीरसेल्वम की ओर ना जाएं।

दूसरी ओर, मारवाड़ और पिल्लई जोकि अगड़ी जाति है, उनके अलावा, भाजपा सभी दिलत समुदायों तक पहुंचने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। वहीं द्रमुक को अपने गठबंधन की अंकगणितीय ताकत और तीन साल की सामाजिक कल्याण योजनाओं के अलावा, सभी समुदायों और अल्पसंख्यक वोट बैंक के समर्थन पर भरोसा है। हम आपको बता दें कि क्षेत्र के कुछ निर्वाचन क्षेत्रों में युवा तिमल राष्ट्रवादी संगठन नाम तिमझार काची का प्रभाव भी देखने को मिल रहा है जिसे 18-25 आयु वर्ग के वोटों का एक बड़ा हिस्सा मिलने की संभावना है। देखने में आ रहा है कि डिंडीगुल, मदुरै, विरुधुनगर और शिवगंगा में लड़ाई द्रमुक और अन्नाद्रमुक के नेतृत्व वाले गठबंधनों के बीच है, जबकि रामनाथपुरम और थेनी में त्रिकोणीय मुकाबला है, जिसमें ओपीएस और टीटीवी खुद मैदान में

उतरे हुए हैं। इसके अलावा थूथुकुडी, जहां किनमोझी करुणािनिध उम्मीदवार हैं उसके अलावा तेनकासी (एससी) में तस्वीर सत्तारुढ़ द्रमुक के लिए अच्छी दिख रही है। वहीं तिरुनेलवेली में मुख्य लड़ाई रॉबर्ट ब्रूस (कांग्रेस) और नैनार नागेंद्रन (भाजपा) के बीच होती दिख रही है। जबिक कन्याकुमारी में चुनावी लड़ाई स्पष्ट रूप से धर्म पर विभाजित दिख रही है। हम आपको बता दें कि भाजपा तिमलनाडु में लंबे समय से हिंदू नादर और मरावारों का समर्थन हासिल करने की दिशा में काम कर रही है।रिपोर्टें हैं कि नादर और मारवारों का बड़ा वर्ग भाजपा की ओर मुड़ रहा है। इसके अलावा गठबंधन के कारण दिलत वोटों का बड़ा हिस्सा डीएमके को मिलने की संभावना है।

विचार

हम भारतीयों को यह गौरव प्राप्त हुआ है कि भगवान श्रीराम ने भारत में ही अवतार लिया और उनके कारण ही भारत देश विश्व में एक ऐसा आदर्श प्रस्तुत कर रहा है जो भावी असंख्य पीढिय़ों के लिए भी प्रेरणास्रोत और श्रद्धापुंज बना रहेगा'

ज से भगवान श्रीरामचंद्र जी का मंदिर श्री अयोध्या में जी में बनकर तैयार हो गया, हमारे सांस्कृतिक और राष्ट्रीय गौरव की पुनः प्रतिष्ठा हो गई, उसी समय से यह प्रश्न हर राम भक्त के सामने है कि राम जी का मंदिर बना लेना ही पर्याप्त है या राममय जीवन, राममय राष्ट्र, राममय सामाजिक सांस्कृतिक मूल्यों की पुनस्र्थापना भी क्यों न हो ? उसके लिए गोस्वामी तुलसीदास जी ने राम राज्य का जो वर्णन किया, वैसा राम राज्य हमारे देश में और इसके साथ ही विश्व भर में स्थापित होना ही चाहिए, पर याद यह भी रखना होगा कि मदिरालय, वेश्यालय, बूचडख़ाने और जुए के अड्डे जब तक देश में रहेंगे, राम राज्य कैसे आएगा। यह तो कलियुग के निवास स्थान हैं। याद रखना होगा मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम सत्य, न्याय एवं सदुचरित्र के प्रतीक हैं। युगों-युगों से भारतवासी इस दिवस को गौरव से मनाते आ रहे हैं। कोई किसी भी धर्म, संप्रदाय में आस्था रखने वाला हो, पर श्रीराम जी को जीवन में आदर्श के रूप में स्वीकार करता है। वे आदर्श राजा हैं, आदर्श पुत्र, आदर्श भाई एवं आदर्श पति भी हैं। गोस्वामी तुलसीदास जी ने श्रीरामचरितमानस में भगवान श्रीराम के इस धरती पर मानव अवतार में प्रकट होने के संबंध में भी लिखा है : 'जब जब होहि धर्म की हानि, बाढ़िहं असुर महा अभिमानी, तब-तब धरि प्रभु मनुज शरीरा, हरहिं सकल सज्जन भव पीरा।' इसके साथ ही भगवान राम के इस संसार में अवतरण का उद्देश्य और कारण बताते हुए भी तुलसीदास जी ने कहा है- 'विप्र

राम राज्य के बिना रामनवमी कैसी?

आज जब हर नगर, प्रदेश और देश से प्रतिदिन महिलाओं के अपमान और उनके साथ बलात्कार की घटनाएं सुनने, देखने को मिलती हैं, ऐसे समय में भगवान श्रीराम के वे शब्द जो बाली को तीर मारने के बाद बाली के प्रश्न का उत्तर देते हुए कहे थे, समाज के लिए ज्योतिपुंज और मार्गदर्शक हैं। राम जी के बाण से घायल बाली ने श्रीराम से यह प्रश्न किया: 'मैं वैरी सुग्रीम पियारा, कारण कवन नाथ मोहि मारा।' उसी समय भगवान श्रीराम जी ने उत्तर दिया: 'अनुज वधु, भिगिन सुत नारी, सुन सठ कन्या सम ए चारि, इनहिं कुदृष्टि विलोकहि जोई, ताहि वधे कछु पाप न होई।' यह वाक्य आज के युग की विषमताओं का समाधान देने वाला है।

धेनु सुर संत हित लीन मनुज अवतार।'

उत्तर दिया : 'अनुज वधु, भगिनि सुत नारी, सुन सठ कन्या सम ए चारि, इनहिं कुदृष्टि भगवान रामजी का सारा ही जीवन अधर्म और अत्याचार से संघर्ष करते हुए जन-जन के लिए कल्याणकारी, श्रेष्ठ राज्य की स्थापना करने में लगा। जिस समय रामचंद्र जी का राज्याभिषेक करने की तैयारियां हो रही थीं, उसी समय उन्हें यह पता चल गया कि उनके पिता ने तो उन्हें 14 वर्ष का वनवास दिया है। मां कौशल्या से भी उन्होंने यही कहा : 'पिता दीन मोहि कानन राज्य।' पिता की आज्ञा का पालन कर श्रीरामचंद्र जी पत्नी सीता और भाई लक्ष्मण सहित जंगल के लिए चल पड़े। उनका तो जन्म ही अत्याचारियों और राक्षसों को समाप्त करने के लिए हुआ था। वे राजा बनकर अयोध्या में कैसे रुक जाते। यह निश्चित ही उनकी अपनी लीला थी। वनवास काल में जब उन्होंने रावण और अन्य राक्षसों द्वारा मारे गए निर्दोष ऋषि-मुनियों और नागरिकों की अस्थियों के बड़े-बड़े ढेर देखे तो एक आदर्श महामानव और शासक की तरह यह संकल्प लिया: 'निश्चिर हीन करहूं मही, भुज उठाई प्रण

कीन, सकल मुनिन्ह के आश्रमहीं जाई जाई सुख



दीन।' जो संकल्प भगवान राम ने लिया उसे एक आदर्श प्रजापालक राजा की तरह अधर्म के प्रतीक राक्षसों के साम्राज्य का नाश करके पूरा किया। जिस रावण के लिए यह कहा जाता था कि काल भी उसके घर में बंधक है और सभी देवता अर्थात प्राकृतिक शक्तियां उसके अधीन हैं, उसी रावण को इस तरह वंश सहित नष्ट कर दिया जिससे उसके परिवार में कोई पितरों के नाम पर दीपक जलाने वाला भी न बचा। कवि ने लिखा है : 'इक लाख पूत, सवा लाख नाती, ता रावण कर दीया न बाती।' रावण की मृत्यु रामजी के हाथों किसी निजी स्वार्थ अथवा लंका पर विजय प्राप्त कर अपने राज्य का प्रसार करने के लिए नहीं थी, अपितु अधर्म को मिटाकर सुशासन की स्थापना के लिए थी। रावण के भाई विभीषण को लंका का राज्य सौंपकर स्वयं 14 वर्ष के वनवास की अवधि पूरी होने के साथ ही वे अयोध्या वापस पहुंचने के लिए वचनबद्ध थे। रामजी का स्वदेश प्रेम जो उस समय महाकवि वाल्मीकि जी ने भी संसार

देशवासियों के लिए प्रेरणापंज है। रावण रहित लंका में एक दिन रहने का निमंत्रण मिलने पर भी उन्होंने कहा, लक्ष्मण ! लंका चाहे सोने की है पर मुझे यहां रहना स्वीकार नहीं, क्योंकि मां और मातृभूमि तो स्वर्ग से भी श्रेष्ठ होती है। 'अपि स्वर्णमयी लङ्का न मे लक्ष्मण रोचते।/जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी॥' आज जो लोग अपने देश के प्रति पूर्ण कत्र्तव्य का पालन नहीं करते और देश छोडक़र दूसरे देशों में सुख-आराम की खोज में चले जाते हैं, उनके लिए यह बहुत बड़ा संदेश है। 14 वर्ष के वनवास के पश्चात जब रामजी अयोध्या आए, उनका राज्याभिषेक हुआ, तब भी उन्होंने एक आदर्श राजा और आदर्श

को सनाया, वह आज भी सभी

राज्य का ऐसा उदाहरण प्रस्तृत किया जिसके तुल्य आज भी दूसरा कोई नहीं। तुलसी लिखते हैं- 'राम राज बैठे त्रैलोका, हर्षित भय गए सब शोका। /दैहिक, दैविक, भौतिक तापा, राम राज्य काहूहिं नहीं व्यापा, सब नर करहिं परस्पर प्रीति, चलहिं स्वधर्म निरत श्रुति नीति। सब निर्दंभ धर्मरत पुनी। नर अरु नारि चतुर सब गुनी।' समय चक्र से भारत परतंत्र हो गया, सदियों तक हम गुलाम रहे। देश में पुरुष और महिला दोनों ही शिक्षा-दीक्षा के क्षेत्र में पीछे रह गए। स्वतंत्रता के बाद भी बहुत से लोग महिलाओं के साथ भेदभाव रखते हुए उन्हें शिक्षा से वंचित रखना ही अपनी शान समझते थे, उस समय भगवान राम का यह उदाहरण कि रामराज्य में महिलाएं और पुरुष सभी शिक्षित, चतुर और गुणी थे, हमें आगे का रास्ता दिखाने वाला आदर्श वाक्य मिला । आज यह भी सोचना है कि जिस धर्म की स्थापना हेतु भगवान श्रीराम इस संसार में आए थे और जिस अधर्म के कारण रावण वंश सहित नष्ट हुआ था आज हम सब

भारतीय और दुनिया भर में बसे भारतवंशी विशेषकर रामजी को अपना आदर्श मानने वाले समाज का यह कज्तव्य है कि हम उसी रास्ते पर चलें जो धर्म, सत्य और सदाचार का रास्ता भगवान श्रीरामचंद्र जी ने दिखाया था, क्योंकि वे तो इस संसार में प्रकट ही साधुओं अर्थात सज्जनों की रक्षा के लिए, दुष्टों के नाश के लिए और धर्म की स्थापना और उन्नति के लिए ही हुए

तुलसीदास जी ने यह लिखा है : 'विप्र धेनु सुर संत हित, लीन मनुज अवतार।' आज भी हर माता राम जैसा पुत्र, प्रजा राम जैसा राजा, बेटियां रामजी जैसा पति और भाई भरत और लक्ष्मण भी राम जैसे अग्रज की ही आशा करते हैं। आइए हम संकल्प लें कि श्रीरामजन्म का पर्व इस संकल्प के साथ ही मनाएं कि जो सन्मार्ग, मर्यादा पूर्ण जीवन का मार्ग भगवान श्रीरामचंद्र जी ने इस संसार को दिखाया था हम उसी रास्ते पर चलें। मर्यादा पुरुषोत्तम न भी बन पाए तो भी मर्यादा मानव तो बनें। याद रखना होगा कि मर्यादा के किनारों में ही गंगा रहती है, अन्यथा बाढ़ और कीचड़ बन जाती है। हम भारतीयों को यह गौरव प्राप्त हुआ है कि भगवान श्रीराम ने भारत में ही अवतार लिया और उनके कारण ही भारत देश विश्व में एक ऐसा आदर्श प्रस्तुत कर रहा है जो भावी असंख्य पीढियों के लिए भी प्रेरणास्रोत और श्रद्धापुंज बना रहेगा। आज के भारतीय समाज में कानून द्वारा भी जिस सहजीवन अर्थात लिव-इन-रिलेशनशिप को संरक्षण और मान्यता दी जा रही है, इसके साथ ही विवाहेत्तर संबंधों को भी अपराध न मानने की बात की गई है, ऐसी व्यवस्था तो रावण के राज्य में भी नहीं थी। हम राम राज्य के उत्तराधिकारी आज राम राज्य की स्थापना करने के लिए प्रयत्नशील हैं। इस प्रयास में सफलता जरूरी है।

> लक्ष्मीकांता चावला स्वतंत्र लेखिका

आरबीआई के निशाने पर आए ये पांच बैंक, कई नियमों के उल्लंघन को लेकर लगाया लाखों रुपये का जुर्माना

www.newsparivahan.com

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने राजकोट नागरिक सहकारी बैंक द कांगडा को-ऑपरेटिव बैंक (नई दिल्ली) राजधानी नगर सहकारी बैंक (लखनऊ) जिला सहकारी बैंक गढवाल और जिला सहकारी बैंक देहरादुन पर जुर्माना लगाया है। आरबीआई ने इन पांचों बैंक पर कुल 60.3 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। केंद्रीय बैंक ने बताया कि सहकारी बैंकों पर अलग-अलग रेगुलेटरी नॉर्म के उल्लंघन के चलते पेनल्टी लगाई गई है।

मुंबई।भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने अलग-अलग रेगुलेटरी नॉर्म के उल्लंघन के लिए पांच सहकारी बैंकों पर कुल 60.3 लाख रुपये का जर्माना लगाया है। आरबीआई ने जिन सहकारी बैंक पर जुर्माना लगाया है उनमें राजकोट नागरिक सहकारी बैंक, द कांगड़ा को-ऑपरेटिव बैंक (नई दिल्ली), राजधानी नगर सहकारी बैंक (लखनऊ), जिला सहकारी बैंक, गढवाल और जिला सहकारी



बैंक, देहरादुन शामिल है।

बैंकों पर क्यों लगा जुर्माना राजकोट नागरिक सहकारी बैंक पर 'निदेशकों और उनके रिश्तेदारों और जिन फर्मों/संस्थाओं में वे रुचि रखते हैं उन्हें लाभ पहुंचाया है। बैंक पर आरबीआई के निर्देशों का पालन न करने पर 43.30 लाख रुपये का

सेंट्रल बैंक ने द कांगडा को-ऑपरेटिव बैंक (नई दिल्ली), द कांगडा को-ऑपरेटिव बैंक (नई दिल्ली), राजधानी नगर सहकारी बैंक (लखनऊ) और जिला सहकारी बैंक, गढ़वाल प्रत्येक बैंक पर 5 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। इसके साथ ही कंपनी जिला को-ऑपरेटिव बैंक देहरादून पर 2 लाख रुपये की पेनल्टी लगाई है।

सहकारी बैंक पर जुर्माना लगाने की जानकारी देते हुए बताया कि इन बैंक पर पेनल्टी अलग-अलग रेगलेटरी नियमों का पालन न करने के लिए लगाई कई है। इसके साथ ही इन पेनल्टी का उद्देश्य बैंकों द्वारा अपने संबंधित ग्राहकों के साथ किए गए एग्रीमेंट या किसी भी लेनदेन की वैधता को प्रभावित करना नहीं है।

बड़ी टेक कंपनियां नहीं, भारत का डीपीआई तय करेगा दुनिया का भविष्य, अमिताभ कांत ने क्यों कही ये बात

भारत अपने डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्टैक्चर ढांचे (DPI) को दुनिया के बाकी हिस्सों में टांसफर करेगा और पहले से ही देशों के इसके लिए तैयार होने के कई उदाहरण हैं। डीपीआई में आधार के माध्यम से डिजिटल पहचान यूपीआई प्लेटफॉर्म के माध्यम से वास्तविक समय भगतान और अकाउंट एग्रीगेटर जैसी अन्य सेवाएं शामिल हैं। आइये इसके बारे में विस्तार से जानते हैं।

मुंबई।भारत के G-20 शेरपा अमिताभ कांत ने गुरुवार को कहा कि वैश्वक भविष्य बड़ी प्रौद्योगिकी कंपनियों द्वारा नहीं बल्कि स्थानीय स्तर पर विकसित डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे प्लेटफार्मों द्वारा संचालित होगा।

यहां 'वी मेड इन इंडिया' कार्यक्रम में बोलते हुए कांत ने कहा कि भारत अपने डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्टैक्चर ढांचे (DPI) को दिनया के बाकी हिस्सों में ट्रांसफर करेगा और पहले से ही देशों के इसके लिए तैयार होने के कई उदाहरण हैं।

डीपीआई में आधार के माध्यम से डिजिटल पहचान, यपीआई

फिर विवादों में आई मैगी बनाने वाली कंपनी, अब

प्लेटफॉर्म के माध्यम से वास्तविक समय भगतान और अकाउंट एग्रीगेटर जैसी अन्य सेवाएं शामिल हैं, और पिछले साल भारत की जी-20 की अध्यक्षता के दौरान इसे दुनिया के सामने प्रदर्शित किया गया था। कांत ने कहा कि जी-20 के दौरान भारत ने अपनी रणनीतियों के माध्यम से जो प्रगति की है, उसे देखते हुए दुनिया ने डीपीआई की

डीपीआईदुनिया भर में होगा

परिभाषा और रूपरेखा को स्वीकार

उन्होंने कहा कि जी-20 के दौरान, दुनिया ने डिजिटल पब्लिक इंफ्रा की परिभाषा को स्वीकार किया. दुनिया ने डीपीआई के ढांचे को स्वीकार किया और हमारे विश्वास के अनुसार, भविष्य बड़ी तकनीक से संचालित नहीं होगा, यह डीपीआई द्वारा संचालित होगा।

आपको बता दें कि 'बिग टेक' आम तौर पर एपल. अल्फाबेट. अमेजन और मेटा जैसे वैश्विक तकनीकी प्रमखों के एक समह को संदर्भित करता है। कांत ने कहा कि भारत का डीपीआई दुनिया भर में स्थानांतरित होगा और इससे देश के उद्यमियों के लिए बहुत सारे अवसर पैदा होंगे जिनका लाभ उठाने की

उन्होंने कहा कि डीपीआई बाकी दुनिया का पर्याय बन जाएगा यह 2047 तक की अवधि के दौरान भारत की विकास कहानी का एक बडा हिस्सा होगा।

इस बीच, पूर्व नौकरशाह ने बीमा कंपनियों और पेंशन फंडों से देश के 'स्टार्टअप आंदोलन' में निवेश करने का आग्रह किया, और बताया कि सिलिकॉन वैली इकोसिस्टम, जो बड़ी तकनीकी कंपनियों का घर है. ऐसे धैर्यवान निवेशकों द्वारा लगाए गए दांव पर बनाया गया है।

स्टार्टअप के लिए कहां से आ रही है फंडिंग

कांत ने कहा कि वर्तमान में, घरेलू स्टार्टअप के लिए तीन-चौथाई से अधिक फंडिंग अंतरराष्ट्रीय स्रोतों से आ रही है, जबकि केवल एक चौथाई घरेलू स्रोतों से आती है, जिसमें उच्च निवल मल्य वाले व्यक्ति भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि हमें भारतीय बीमा कंपनियों की जरूरत है, हमें भारतीय पेंशन फंडों की जरूरत है, हमें भारतीय एचएनआई (उच्च निवल मूल्य वाले व्यक्ति) की जरूरत है, जो जोखिम उठाएं और भारत के स्टार्टअप आंदोलन में निवेश करें और इसी

आईपीओ और एफपीओ और में क्या है अंतर, निवेश करने के लिए कौन-सा सबसे ज्यादा सुरक्षित

कंपनी पहली बार शेयर मार्केट में लिस्ट होकर पैसा जुटाना चाहती है तो वह इनीशियल पब्लिक ऑफर (आईपीओ) लेकर आती है। इसके साथ ही कंपनी पब्लिक हो जाती है और शेयर बीएसई या एनएसई में लिस्ट हो जाती है। जब कोई लिस्टेड कंपनी अपने विस्तार और अन्य जरूरत के लिए मार्केट से दोबारा पैसा जुटानी है तो वह फॉलो–ऑन पब्लिक ऑफर (एफपीओ) लेकर

नई दिल्ली।वित्तीय संकट का सामना कर रही देश की प्रमुख टेलीकॉम कंपनी वोडाफोन आइडिया (VI) फॉलो-ऑन पब्लिक ऑफरिंग (FPO) लेकर आई है। कंपनी ने अपनी मुश्किलें कम करने के लिए मार्केट से 18000 करोड़ रुपये जुटाने की योजना बनाई है। इसे लेकर सबसे दिलचस्प बात है कि यह देश का अब तक का सबसे बड़ा FPO है, जो 18 से 22 अप्रैल तक सब्सक्राइब किया जाएगा।

VI के FPO की अलॉटमेंट डेट 23 अप्रैल है। संभावना है कि बीएसई और एनएसई में कंपनी ने एफपीओ शेयर 25 अप्रैल को ही लिस्ट हो जाएंगे। अगर आप भी एफपीओ और आईपीओ में कन्फ्यूज हैं तो यहां हम आपको डिटेल में इन दिनों में अंतर की जानकारी डिटेल में दे रहे हैं।

FPO और IPO में अंतर जब कोई कंपनी पहली बार शेयर मार्केट में लिस्ट



होकर पैसा जटाना चाहती है तो वह इनीशियल पब्लिक ऑफर (आईपीओ) लेकर आती है। ऐसा कर वह पहली बार लोगों के लिए शेयर जारी करती है और स्टॉक एक्सचेंज पर कंपनी के शेयर को लिस्ट करती है। इसके साथ ही कंपनी पब्लिक हो जाती है और शेयर बीएसई या एनएसई में लिस्ट हो जाती है

दसरी ओर. जब कोई लिस्टेड कंपनी अपने विस्तार और अन्य जरूरत के लिए मार्केट से दोबारा पैसा जुटानी है तो वह फॉलो-ऑन पब्लिक ऑफर (एफपीओ) लेकर आती है। इसके लिए कंपनी के प्रमोटर्स और बड़े शेयरधारक बाजार में अपनी हिस्सेदारी बेचते हैं।

FPO कैसे काम करता है?

आमतौर पर कंपनियों को जब नया बिजनेस शुरू करने या फिर लोन चुकाने के लिए अतिरिक्त फंड की जरूरत होती है तो वह एफपीओ लेकर आती है। कंपनी दो तरीके से ऐसा करती है।

बेबी फुड को लेकर सामने आई ये बात, दी सफाई Nestle एक बार फिर विवादों में है। इस बार कंपनी अपने बेबी फड आइटम में जरूरत से ज्यादा शगर की मात्रा को लेकर चर्चा में है। नेस्ले पर आरोप हैं कि वह विकासशील देशों में बेबी फूड़स पर शहद के साथ शुगर भी मिलाती है। कंपनी

नई दिल्ली। नेस्ले एक बार फिर विवादों में है। इस बार कंपनी पर आरोप है कि वह भारत व दसरे विकासशील देशों में जो डब्बाबंद शिश आहार बेचती है उसमें अतिरिक्त चीनी (एडेड शुगर) की मात्रा बहुत ज्यादा होती है। जबकि कंपनी अमेरिका व विकसित देशों में इन्हीं उत्पादों में चानी की मात्रा विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) के मानकों के मुताबिक होता है और इनमें

का कहना है कि वह अपने बेबी फूड की

प्रोडक्ट पर लगातार सुधार कर रही है।

एडेड शुगर तो एकदम नहीं होती। यह बात स्विटजरलैंड की एक एनजीओ जांच एजेंसी पब्लिक आई एंड इंटरनेशनल बेबी फड एक्शन नेटवर्क (आइबीएफएएन) ने अपनी ताजी रिपोर्ट में कही है। नेस्ले इंडिया ने इन आरोपों को खारिज किया है और कहा है कि वह भारत में अपने उत्पादों में पिछले पांच वर्षों में 30 फीसद तक अतिरिक्त चीनी की मात्रा कम की है। लेकिन भारत में खाद्य उत्पादों की सुरक्षा व गुणवत्ता की निगरानी करने वाली एजेंसी एफएसएसएआइ ने कहा है कि वह इस पूरे प्रकरण को लेकर अपने स्तर पर जांच करवाएगी।

कंपनी का इनकार: 30 फीसद चीनी का उपयोग कम किया

इस आरोप के बारे में नेस्ले इंडिया ने "हम आप सभी को इस बारे में आश्वस्त करना चाहते हैं कि शिशु आहार उत्पादों को तैयार करने में प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, विटामिन्स, मिनरल्स, आयरन जैसे तमाम पौष्टिक अवयवों को सनिश्चित किया जाता है। हम अपने उत्पादों की पौष्टिक गुणवत्ता को लेकर कोई भी समझौता न करते हैं और ना ही भविष्य में करेंगे। हम अपनी उत्पादों की गुणवत्ता को सुधारने के लिए लगातार वैश्विक शोध नेटवर्क की मदद लेते हैं।''

कंपनी का कहना है कि नियमों का पालन करना नेस्ले इंडिया की एक प्रमख खासियत है कर सकती है। कंपनी ने यह भी कहा है कि वह



लगातार भारत में अपने उत्पादों में अतिरक्त चीनी की मात्रा कम करने में जटी है और पिछले पांच वर्षों में 30 फीसद तक घटा दिया है। वह अपने ग्राहकों को बेहतरीन पौष्टिक उत्पाद उपलब्ध कराने की कोशिश करती है और यह कोशिश आगे भी जारी रहेगी। एफएसएसएआइ के सूत्रों ने कहा है कि उन्होंने स्विटजरलैंज स्थित एजैंसी की रिपोर्ट देखी है।

विकासशील देशों में ज्यादा चीनी इसका विस्तार से अध्ययन किया जाएगा और इसके आधार पर जांच की जाएगी। यह पूछे जाने पर कि क्या इसकी जांच के लिए

सिमति का गठन भी किया जा सकता है तो उक्त सुत्रों का कहना है कि इसका फैसला संबंधित रिपोर्ट की विस्तार से जांच करने के रिपोर्ट में कहा गया है कि एशिया के

विकासशील देशों में जो सेरेलेक की बिक्री होती है उसमें काफी ज्यादा अतिरिक्त चीनी है। भारत से ज्यादा अतिरिक्त चीनी फिलीपींस. थाइलैंड जैसे देशों में कंपनी मिला रही है। इस रिपोर्ट के बाद भारतीय शेयर

बर्तन बनाने से पहले स्टेनलेस स्टील में मौजूद क्रोमियम से लेकर निकल की मात्रा की होगी जांच, BIS नें जारी किए नियम

भारतीय मानक ब्यूरो की तरफ से क्वालिटी कंट्रोल का नियम लाग् किया गया है। बर्तन बनाने के बाद उनकी क्वालिटी की भी जांच होगी। अभी स्टेनलेस स्टील के बर्तन निर्माण पर क्वालिटी कंट्रोल नहीं होने से निर्माता अपनी सुविधा और लागत के हिसाब से कच्चें माल का इस्तेमाल कर रहे थे जो स्वास्थ्य के साथ बर्तन की मजबूती को भी प्रभावित कर रहा था।

नर्ड दिल्ली।स्टेनलेस स्टील के बर्तन निर्माण से पहले अब स्टेनलेस स्टील की प्रोपर्टीज जैसे कि कार्बन-सल्फर, मैगनीज, निकल, फास्फोरस, नाइट्रोजन व कापर की मात्रा की जांच होगी। बर्तन बनाने में कम मोटाई वाले स्टील का इस्तेमाल नहीं हो सकेगा । आगामी सितंबर माह से स्टेनलेस स्टील के बर्तन पर क्वालिटी कंट्रोल का नियम लागु हो रहा है और इसके तहत इस प्रकार की जांच को अनिवार्य कर दिया गया है।

भारतीय मानक ब्यूरो ने जारी किए नियम भारतीय मानक ब्युरो की तरफ से क्वालिटी कंट्रोल का नियम लागू किया गया है। बर्तन बनाने के बाद उनकी क्वालिटी की भी जांच होगी। अभी स्टेनलेस स्टील के बर्तन निर्माण पर क्वालिटी कंट्रोल नहीं होने से निर्माता अपनी सुविधा और लागत के हिसाब से कच्चे माल का इस्तेमाल कर रहे थे जो स्वास्थ्य के साथ बर्तन की मजबूती को भी प्रभावित कर रहा था। नए नियम के मुताबिक स्टेनलेस स्टील में इस्तेमाल होने वाले क्रोमियम व निकेल की मात्रा क्वालिटी कंट्रोल नियम के हिसाब से तय होगी।

निश्चित मोटाई वाले स्टील का ही होगा



भारतीय मानक ब्यूरो की तरफ से क्वालिटी कंट्रोल का नियम लागू किया गया है। बर्तन बनाने के बाद उनकी क्वालिटी की भी जांच होगी। अभी स्टेनलेस स्टील के बर्तन निर्माण पर क्वालिटी कंट्रोल नहीं होने से निर्माता अपनी सुविधा और लागत के हिसाब से कच्चे माल का इस्तेमाल कर रहे थे जो स्वास्थ्य के साथ बर्तन की मजबूती को भी प्रभावित कर रहा था।

एक निश्चित मोटाई वाले स्टील का ही इस्तेमाल बर्तन बनाने में किया जा सकेगा । दिल्ली के बर्तन के थोक व्यापारी मनमोहन ढींगरा ने बताया कि अभी कच्चे माल को लेकर कोई नियम नहीं होने से फ्लैट स्टील को तेजाब से प्रोसेस कर उससे भी बर्तन बना दिया जाता है।

अब ऐसा ममिकन नहीं हो सकेगा। दिल्ली स्टेनलेस स्टील ट्रेड फेडरेशन के अध्यक्ष जय

कुमार बंसल ने बताया कि नए नियम के मुताबिक अब कम से कम 0.30 एमएम मोटाई वाले स्टील का ही बर्तन बन सकेगा। अभी 0.20 एमएम मोटाई वाले स्टील का भी बर्तन बनाने का काम किया जाता है। वैसे ही कम से कम 13.5 क्रोम वाले स्टील का इस्तेमाल बर्तन बनाने में होगा। अभी कैसे होता है निर्माण?

अभी 12 क्रोम वाले से भी बर्तन बनाने का काम होता है। 12 क्रोम में सबसे कम 10.5

प्रतिशत क्रोमियम होता है जो सबसे निचले स्तर का माना जाता है। निर्माताओं ने बताया कि निकल की मात्रा के प्रतिशत में भी बदलाव किया गया है। बीआइएस के अधिकारी के मुताबिक बर्तन बनाने से पहले कच्चे माल और तैयार बर्तन दोनों के लिए क्वलिटी कंट्रोल का नियम लाग होगा।

बीआईएस के अधिकारी के मुताबिक अभी बर्तन बनाने वाले स्टेनलेस स्टील में क्या मिला है और कितनी मात्रा में मिला है, इसकी जानकारी किसी को नहीं है। उन्होंने उदाहरण के तौर पर बताया कि निकल तांबे से तीन गुना अधिक महंगा होता है और निकल बर्तन को मजबूती देता है। लेकिन महंगा होने से कई बार निकल काफी कम मिलाया जाता है।

गुजरात स्टेनलेस स्टील रि-रोलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष उगम राज हुंडिया ने बताया कि मुख्य रूप से चीन से होने वाले आयात को कम करने के लिए क्वालिटी कंट्रोल का नियम

विदेशी अवैध सट्टेबाजी कंप्नियां लगा रहीं तगड़ा चूना, हर साल हो रहा 2.5 अरब डॉलर का जीएसटी नुकसान



लैंडर्स ने कहा विदेशी अवैध सट्टेबाजी तथा जुआ प्लेटफार्म एक साल में 12 अरब डालर की राशि एकत्र कर रहे हैं जिसका मतलब है कि सरकार को जीएसटी राजस्व में कम से कम 2.5 अरब डालर का नुकसान हो रहा है। उन्होंने कहा कि विदेशी कंपनियों ने यूजर को लुभाने के लिए मौजूदा आइपीएल सीजन के दौरान विज्ञापनों में वृद्धि की है।

नई दिल्ली। गेमिंग उद्योग निकाय ऑल इंडिया गेमिंग फेडरेशन (एआइजीएफ) ने कहा कि विदेशी अवैध सट्टेबाजी तथा जुए से जुड़ी कंपनियां सरकारी खजाने को प्रति वर्ष 2.5 अरब डालर का नुकसान पहुंचा रही हैं। संगठन ने सरकार से ऐसे प्लेटफार्म पर अंकुश लगाने के लिए तत्काल

कार्रवाई की मांग की है। एआइजीएफ के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) रोलैंड लैंडर्स ने कहा कि विदेशी संस्थाएं अवैध सट्टेबाजी और जुए से विभिन्न खेलों को जोड़ती हैं, जिससे उपयोगकर्ता वैध तथा अवैध गेमिंग के बीच अंतर नहीं कर पाते। उन्होंने कहा कि अवैध

विदेशी कंपनियां यजर को नुकसान पहुंचाती हैं। इससे भारत में वैध उद्योग को भी नुकसान पहुंच सकता है। लैंडर्स ने कहा, 'विदेशी अवैध सट्टेबाजी तथा जुआ प्लेटफार्म एक साल में 12 अरब डालर की राशि एकत्र कर रहे हैं, जिसका मतलब है कि सरकार को जीएसटी राजस्व में कम से कम 2.5 अरब डालर

का नुकसान हो रहा है।' उन्होंने

यूजर को लुभाने के लिए मौजूदा

कहा कि विदेशी कंपनियों ने

आइपीएल सीजन के दौरान विज्ञापनों में वृद्धि की है। उनमें से कछ इतनी हिम्मत दिखा रहे हैं कि उनके प्लेटफार्म पर कोई जीएसटी या टीडीएस नहीं लगने का बेबाकी से प्रचार कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि अवैध प्लेटफार्म के खतरे को रोकने में मदद के लिए सरकार को स्व-नियामक संगठन (एसआरओ) जैसे माडल में तेजी लानी चाहिए। सरकार ने एसआरओ लाने का प्रस्ताव रखा था लेकिन 90 दिन की निर्धारित समय सीमा के भीतर ऐसा नहीं किया जा सका। उद्योग से जुड़ी कुछ कंपनियों ने एसआरओ की स्थापना के लिए आवेदन किया था। लैंडर्स ने कहा कि एआइजीएफ को कंपनियों द्वारा दिए आवेदन पर कोई अपडेट जानकारी नहीं मिली है।

युवाओं को लुभाने के लिए भाजपा ने लॉन्च किया 'वोट फॉर द गोट' कैंपेन, PM मोदी को बताया ग्रेटेस्ट ऑफ आल टाइम

चुनाव प्रचार अभियान के बीच भाजपा ने युवाओं पर फोकस करते हुए वोट फॉर द गोट नाम से बड़ा कैंपेन शुरू किया है।जिसमें युवाओं को फोकस करते हुए पिछले दस सालों में खेल स्टार्टअप मेक इन इंडिया व शिक्षा जैसे क्षेत्रों में उठाए गए कदमों की जिक्र किया गया है। इस वीडियो कैंपेन के जारी होने के कुछ घंटे में ही इसे लाखों लोग देख चुके है।

परिवहन विशेष न्युज

नई दिल्ली। चुनाव प्रचार अभियान के बीच भाजपा ने युवाओं पर फोकस करते हुए 'वोट फॉर द गोट (ग्रेटेस्ट ऑफ आल टाइम)' नाम से बड़ा कैंपेन शुरू किया है। जिसमें युवाओं को फोकस करते हुए पिछले दस सालों में खेल, स्टार्टअप, मेक इन इंडिया व शिक्षा जैसे क्षेत्रों में उठाए गए कदमों की जिक्र किया गया है। साथ ही अर्थव्यवस्था को मजूबती देने, भ्रष्टाचार को खत्म करने और कोरोना काल में देश और दुनिया के दूसरे देशों को मदद करने वाले मोदी सरकार के कदमों को भी गिनाया है। और उन्हीं को वोट करने की बात की है।

कैंपेन में PM मोदी को बताया GOAT

तीन मिनट से अधिक के वीडियो के जरिए शुरू किए गए इस कैंपेन को युवाओं



को लुभाने वाली संगीत की धुनों में कुछ इस तरह से पिरोया गया है कि जिसे देखकर प्रत्येक युवा मोदी सरकार के कामों पर गर्व महसूस करेगा। इस कैंपेन में पीएम मोदी को गोट यानी ग्रेटेस्ट ऑफ आल टाइम

www.newsparivahan.com

बताया गया है। साथ ही विदेशों में देश की जिस तरह से साख बढ़ी है, उसकी बड़ी वजह पीएम मोदी को बताया गया है।

वजह पीएम मोदी को बताया गया है। युवा मतदात इस वीडियो कैंपेन के जारी होने के कुछ लाख से अर्षि घंटे में ही इसे लाखों लोग देख चुके है। मतदाता है।

लोकसभा चुनाव में इस बार 20 से 29 आयु वर्ग के साढ़े तीन करोड़ से अधिक युवा मतदाता मतदान करेंगे। इनमें 35 लाख से अधिक युवा पहली बार के

घर बैठे डाउनलोड कर सकते हैं डिजिटल वोटर कार्ड, एक क्लिक में जानें पूरी प्रक्रिया

मतदाता की वोटर आईडी कहीं गुम हो गई है या फिर वह वोटर कार्ड की डिजिटल कॉपी सहेज कर रखना चाहता है तो वोटर अपने मोबाइल या कंप्यूटर पर उसे डाउनलोड कर सकते हैं। आइए जानते हैं डाउनलोड करने की पुरी प्रक्रिया को।

नईदिल्ली। चुनाव आयोग ने चुनाव से जुड़े सभी महत्वपूर्ण कार्य ऑनलाइन कर दिए हैं। चुनाव आयोग ने डिजिटल मतदाता पहचान पत्र या इलेक्ट्रॉनिक इलेक्टोरल फोटो आईडी कार्ड यानी ई-ईपीआईसी की सविधा शरू कर रखी है। यदि मतदाता की वोटर आईडी कहीं गुम हो गई है या फिर वह वोटर कार्ड की डिजिटल कॉपी सहेज कर रखना चाहता है तो वोटर हेल्पलाइन एप या फिर चुनाव आयोग की वेबसाइट वोटर्स डॉट ईसीआई डॉट जीओवी डॉट इन से अपना वोटर कार्ड आसानी से मोबाइल या कंप्यूटर पर डाउनलोड कर सकते हैं। इसे



डिजी लॉकर में भी अपलोड किया जा सकता है। इसके अलावा इसे प्रिंट भी कराया जा सकता है।

जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त निशांत कुमार यादव ने कहा कि ई-ईपीआईसी वोटर कार्ड ओरिजिनल वोटर आईडी कार्ड का एक नॉन-एडिटेबल पीडीएफ वर्जन है। वोटर आईडी के पीडीएफ वर्जन को भी आइडेंटिटी के साथ एड्रेस प्रूफ के तौर पर इस्तेमाल किया जा सकता है। इस डिजिटल आईडी प्रूफ को आसानी से एक्सेस करने के लिए मोबाइल फोन या डिजी लॉकर में स्टोर करके रखा जा सकता है।

डिजिटल कार्ड को ऐसे करें डाउनलोड

राष्ट्रीय मतदाता पोर्टल पर ईसीआई डाट जीओवी डाट इन पर विजिट करें, नए यूजर को पहले रिजस्टर करना होगा, अब ई-ईपीआईसी डाउनलोड करने के विकल्प पर क्लिक करें। इसके बाद ई-ईपीआईसी नंबर या फॉर्म रेफरेंस नंबर को दर्ज करें, अब आपके रिजस्टर्ड मोबाइल नंबर पर एक ओटीपी आएगा। इसके बाद ई-ईपीआईसी डाउनलोड का विकल्प सामने होगा।

IIT कानपुर और बीएचयू को मिले नए निदेशक, इन 7 प्रोफेसरों को मिली भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों की जिम्मेदारी

छह भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (IIT) को गुरुवार को नए निदेशक मिल गए। मणींद्र अग्रवाल को आईआईटी कानपुर और अमित पात्रा को आईआईटी बीएचयू का निदेशक नियुक्त किया गया है। मणींद्र आईआईटी कानपुर के कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग विभाग में प्रोफेसर हैं। आईआईटी कानपुर के मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर अविनाश कुमार अग्रवाल को आईआईटी जोधपुर का निदेशक नियुक्त किया गया है।

नई दिल्ली। छह भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (IIT) को गुरुवार को नए निदेशक मिल गए। मणींद्र अग्रवाल को आईआईटी कानपुर और अमित पात्रा को आईआईटी बीएचयू का निदेशक नियुक्त किया गया है।

मणींद्र आईआईटी कानपुर के कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग विभाग में प्रोफेसर हैं।शिक्षा



मंत्रालय के सूत्रों ने बताया कि आईआईटी कानपुर के मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर अविनाश कुमार अग्रवाल को आईआईटी जोधपुर का निदेशक नियुक्त किया गया है।

सुकुमार मिश्रा आईआईटी धनबाद के निदेशक

सुकुमार मिश्रा को आईआईटी धनबाद का निदेशक नियुक्त किया गया है, जबकि डीएस कट्टी आईआईटी गोवा के नए प्रमुख होंगे। आईआईटी मद्रास के देवेंद्र जलिहाल को आईआईटी गुवाहाटी का निदेशक नियुक्त किया गया है।

दिल्ली में स्तन कैंसर की रोबोटिक सर्जरी कर डॉक्टरों ने दी महिला को नई जिंदगी, अब तक 15 महिलाओं का हुआ इलाज

स्नान करते हुए एक दिन अचानक ही स्तन में गांठ महसूस हुई। जांच कराने पर ट्यूमर कैंसर निकला। यह पता चलने पर पैरों तले जमीन खिसक गई। लेकिन पहले सास को भी स्तन कैंसर की बीमारी हो चुकी थी। वह इलाज के बाद ठीक भी हो गईं थीं। इससे हिम्मत बढ़ी और इलाज शुरू कराया। अस्पताल में डॉक्टरों ने एक माह पहले ही रोबोटिक सर्जरी की थी।

नई दिल्ली। स्नान करते हुए एक दिन अचानक ही स्तन में गांठ महसूस हुई। जांच कराने पर ट्यूमर कैंसर निकला। यह पता चलने पर पैरों तले जमीन खिसक गई। लेकिन पहले सास को भी स्तन कैंसर की बीमारी हो चुकी थी। वह इलाज के बाद ठीक भी हो गईं थीं। इससे हिम्मत बढ़ी और इलाज शुरू कराया।

कीमोथेरेपी में थोड़ा सुधार होने के बाद दिल्ली के एक निजी क्षेत्र के अस्पताल में डॉक्टरों ने एक माह पहले ही रोबोटिक सर्जरी की थी। सर्जरी के बाद दो दिन अस्पताल में भर्ती रही। अस्पताल से वापस घर जाने के तीसरे दिन ऑफिस जाना शुरू कर दिया। यह कहानी है कि स्तन कैंसर से पीड़ित दिल्ली की रहने वाली निहारिका की। दिल्ली के सीके बिड़ला अस्पताल के डॉक्टरों ने उत्तर भारत में पहली बार निहारिका सहित 15 मरी जों के स्तन कैंसर की रोबोटिक सर्जरी करने का दावा किया है।

अब तक 15 महिलाओं की सर्जरी अस्पताल के डॉक्टरों का कहना है कि पिछले नवंबर में पहली सर्जरी की गई थी। इसके बाद से अब तक स्तन कैंसर से पीड़त 15 महिला मरीजों की रोबोटिक सर्जरी की गई है। अस्पताल के सर्जिकल आंकोलाजी विभाग के निदेशक डॉ. मनदीप सिंह ने बताया कि इस तकनीक से सामान्य तौर पर शुरुआती स्टेज के स्तन कैंसर से पीड़ित महिलाओं की ही सर्जरी हो सकती है। क्योंकि शुरुआती स्टेज में कैंसर ज्यादा फैला हुआ

किन मरीजों की हो सकती है रोबोटिक

एडवांस स्टेज के स्तन कैंसर से पीड़ित उन्हीं मरीजों की रोबोटिक सर्जरी की जा सकती है जिन पर शुरुआत में कीमोथेरेपी, इम्यूनोथेरेपी इत्यादि का अच्छा असर दिखता है। निहारिका ट्रिपल निगेटिव स्तन कैंसर से पीड़ित थीं। यह बहुत गंभीर बीमारी होती है। जब वह अस्पताल पहुंची तो उन्हें तीसरे स्टेज का कैंसर था, लेकिन कीमोथेरेपी का अच्छा असर देखा गया। इसके बाद रोबोटिक सर्जरी की गई।

बाद राबाटिक संजरा का गई।

सर्जरी के बाद करा सकती हैं स्तनपान

डॉ. मनदीप ने बताया कि मुरादाबाद की रहने

डा. मनदाप न बताया कि मुरादाबाद का रहन वाली एक अन्य मरीज 27 वर्षीय रुकैया की भी रोबोटिक सर्जरी की गई। उन्हें भी एडवांस स्टेज का कैंसर था। रोबोटिक सर्जरी से स्तन को सुरक्षित बचाया गया। उनका एक छोटा बच्चा है। वह उसे स्तनपान भी करा सकती हैं। रुकैया ने बताया कि गर्भावस्था के दौरान ही ट्यूमर हुआ था। प्रसव के दो माह बाद कैंसर होने की बात पता चली। इतना बोलते हुए वह रो पड़ी और कहा कि अब ठीक हं।

डॉ. मनदीप ने बताया कि रोबोटिक सर्जरी के लिए स्तन के साइड में छोटा चीरा लगाया गया और ट्यूमर निकालने के बाद पीठ के हिस्से से फैट लेकर दोबारा स्तन बनना दिया गया, जो पूरी तरह सामान्य है। मरीज को कोई बड़ा चीरा नहीं लगाना पड़ता। इस तकनीक से सर्जरी में ज्यादा रक्तस्राव नहीं होता। इसलिए मरीज को दो दिन में अस्पताल से छुट्टी मिल जाती है। शुरुआती स्टेज में स्तन कैंसर की पहचान होने पर 50 प्रतिशत मरीजों को कीमो की जरूरत नहीं पड़ती। उन्होंने बताया कि मरीज के ठीक होने के पांच वर्ष तक फालोअप किया जाता है। क्योंकि कैंसर दोबारा होने का जोखिम रहता है। रोबोटिक मशीन की मदद से सर्जरी ज्यादा बेहतर हो पाती है। इसलिए ट्यूमर दोबारा विकसित होने का जोखिम भी कम

तीन दिवसीय निशुल्क नेत्र जांच एवं मोतियाबिंद ऑपरेशन 20 से



भीलवाड़ा श्री गणेश उत्सव प्रबंध एवं सेवा समिति एवं अन्धता निवारण सोसाइटी के तत्वाधान तीन दिवसीय निशुल्क नेत्र जांच एवं मोतियाबिंद ऑपरेशन 20 से 22 अप्रैल तक आयोजित होगा मीडिया प्रभारी महावीर समदानी ने बताया कि 20 अप्रैल को प्रातः 9:30 बजे अपना घर वृद्धाश्रम में डॉ कृष्णा हेडा वरिष्ठ नेत्र रोग विशेषज्ञ द्वारा रोगियों को परामर्श दे, विभिन्न जांच की जाएगी 21 अप्रैल को टंकी के बालाजी के सामने स्पर्श हॉस्पिटल में चयनित रोगियों का मोतियाबिंद ऑपरेशन होगा 22 अप्रैल को रोगियों को निशुल्क दवाईया व चश्मे वितरित किए जाएंगे।

रिटायर्ड फौजी को मारी गोलियां, फिर मौके पर आरोपी को पकड़कर मारा; दोनों की गई जान

सेक्टर-37 थाना क्षेत्र के खांडसा गांव में रंजिश को लेकर एक युवक ने पूर्व फौजी पर उसके घर के बाहर ताबड़तोड़ गोलियां बरसा दीं। पूर्व फौजी को तीन से चार गोलियां उसके सीने और पेट में लगीं। गोलियां लगने के बाद भी पूर्व फौजी ने आरोपित को पकड़कर गिरा लिया। उन्होंने पास में पड़ीं ईंट से वार किया।

में रंजिश को लेकर एक युवक ने पूर्व फौजी पर उसके घर के बाहर ताबड़तोड़ गोलियां बरसा दीं। पूर्व फौजी को तीन से चार गोलियां उसके सीने और पेट में लगीं। गोलियां लगने के बाद भी पूर्व फौजी ने आरोपित को पकड़कर गिरा लिया। उन्होंने पास में पड़ीं ईंट से वार किया। इसी दौरान कुछ रिश्तेदारों ने भी आकर लोहे की रॉड से आरोपित के सिर पर हमला किया। सूत्रों के

अनुसार, छीनाझपटी में एक गोली भी आरोपित

के सिर में लगी । हमले में पूर्व फौजी और आरोपित

दोनों की मौत हो गई। पुलिस ने दोनों के शवों को

गुरुग्राम । सेक्टर-37 थाना क्षेत्र के खांडसा गांव

पोस्टमॉर्टम के लिए भेजकर जांच शुरू कर दी है। रिटायर फौजी थे ट्रांसपोर्ट यूनियन के पदाधिकारी

पुलिस के अनुसार खांडसा गांव निवासी सुनील (55) उर्फ फौजी सेना से रिटायर थे। उनका अपना ट्रांसपोर्ट का बिजनेस है और वह खुद भी ट्रांसपोर्ट यूनियन के पदाधिकारी थे। वहीं, दिनेश (34) उर्फ टिम्मू पेशे से ड्राइवर था और

आपराधिक पृष्ठभूमि से था। सुनील ने दिनेश को मारा थप्पड

बताया जाता है कि दोनों में काफी दिनों से किसी बात को लेकर रंजिश चल रही थी। सूत्रों के अनुसार, बुधवार दोपहर भी दिनेश किसी काम को लेकर सुनील के पास गया था। इस दौरान किसी बात पर सुनील ने दिनेश को थप्पड़ मार

गुरुवार दोपहर सुनील खांडसा गांव स्थित अपने अहाते पर थे। इनका घर पीछे ही बना हुआ है। वह दोपहर साढ़े तीन बजे खाना खाने के लिए घर जा रहे थे, जैसे ही वह गेट से बाहर निकले, दिनेश स्कूटी से आ गया। उसने अवैध पिस्तौल से ताबड़तोड़ चार से पांच राउंड फायरिंग की। सुनील को तीन से चार गोलियां सीने और पेट में लगीं। इसके बाद भी वह डिगे नहीं, उन्होंने आरोपित दिनेश को पकड़ लिया और ईंट से वार

हसी दौरान सुनील के करीबी रिश्तेदार सोहित ने दिनेश को लोहे की राड से मारा। आसपास के लोगों ने बताया कि छीनाझपटी में एक और गोली चली, जो दिनेश के सिर में लगी। हालांकि, पुलिस ने इसकी पुष्टि नहीं की। दिनेश की मौके पर ही मौत हो गई। गंभीर रूप से घायल सुनील को मेदांता अस्पताल ले जाया गया। यहां डाक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी मिलने के बाद एसीपी मानेसर सुरेंद्र सिंह, एसीपी क्राइम वरुण दिहया, सेक्टर 37 थाना पुलिस टीम, क्राइम ब्रांच और एफएसएल टीम मौके पर पहुंची। पुलिस टीम ने पास में ही एक घर के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज चेक की है। इसमें आरोपित ताबडतोड गोलियां चलाता दिखरहा है।

अन्तिम पंक्ति के व्यक्ति तक पहुंचायेगे मूलभूत सुविधाये: अग्रवाल

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह का भीलवाड़ा दौरा



परिवहन विशेष अनूप कुमार शर्मा

भीलवाडा।भाजपा लोकसभा प्रत्याशी दामोदर अग्रवाल आज आसीन्द विधानसभा के दौरे पर रहे। जहां उन्होंने कई सभाओं को सम्बोधित करते हुये अन्तिम पंक्ति के व्यक्ति तक मूलभूत सुविधायें पहुंचाने की बात आमजन के बीच रखी।लोकसभा मीडिया प्रभारी विनोद झुर्रानी ने बताया कि भाजपा लोकसभा प्रत्याशी दामोदर अग्रवाल ने आसीन्द विधानसभा की सभा को सम्बोधित करते हुये कहा कि भीलवाडा जिले के अन्तिम पंक्ति के व्यक्ति तक भाजपा के माध्यम से मूलभूत सुविधायें पहुचायेगें। भारतीय जनता पार्टी एक ऐसी पार्टी है जो आमजन से सीधी जुड़ी हुई है। अग्रवाल ने सभा के माध्यम से आमजन को विश्वास दिलाया कि भाजपा के मूल मंत्र सबका साथ सबका विकास के तर्ज पर विकास में किसी प्रकार का

लोकसभा प्रत्याशी ने आसीन्द विधानसभा की ईरांस, गांगलास, कालियास, मोतीपुर, सोडार, जालमपुरा, फलामादा, टोकरवाड़, ऊंखलिया, बरसनी, आमेसर, शंभगढ़, जगपुरा, अण्टाली, दांतड़ा, खेजड़ी, गागेड़ा, लाम्बा, तस्वारिया, रूपाहेली, बड़ला, भोजरास, आगूंचा, बराठिया, कोटड़ी, हुरड़ा, गुलाबपुरा नगर, जालमखेड़ा, सरेरी, गढ़वालों का खेड़ा में सभाओं का आयोजन कर आमजन से भाजपा के पक्ष में मतदान करने की अपील की व सघन जन सम्पर्क किया। जन सम्पर्क के दौरान विधायक

भेदभाव नहीं किया जायेगा

जन सम्मक क दौरान विधायक जब्बर सिंह, विट्ठलशंकर अवस्थी, रामलाल गुर्जर, लादूलाल तेली, करतार सिंह राठौड़, अभिजीत सिंह बदनोर, सत्यनारायण शर्मा, केलाश सरपंच, हगाम, उमराव चौरड़िया, बालिकशन झंवर, ओमनाथ, पवन मूंगड़, हनुमन्त सिंह राठौड़, भैरूलाल पाराशर, रामलाल खटीक, देवकरण कोठारी, जगदीश जाट, सांवर लाल जाट, मनफूल जाट, तेजवीर सिंह, लक्ष्मण सिंह राठौड़, महीपाल सिंह, लड्डू बन्ना रूपाहेली, कृष्णगोपाल त्रिपाठी, सिंहत सैकड़ो की संख्या में कार्यकर्ता एवं उद्योगपति उपस्थित थे। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित

शाह का भीलवाड़ा दौरा लोकसभा मीडिया प्रभारी

विनोद झुर्रानी ने बताया कि केन्द्रीय गृह मंत्री एवं सहकारिता मंत्री अमित भाई शाह भीलवाड़ा लोकसभा क्षेत्र में आगामी 20 अप्रैल को शक्करगढ़, जहाजपुर में विजय संकल्प महासभा को सम्बोधित करेगें। इस हेतु भारतीय जनता पार्टी द्वारा कमेटियों को गठन कर रणनीति तैयार की जा रही है।

कुछ विशेष मिशनशक्ति के अधिकारी सरकारी धन के दबाव और प्रलोभन देखा कर महिला को राजनीतिक कार्य में धकेल रहे हैं: भाजपा

मनोरंजन सासमल , स्टेट हेड उडीशा

भुबनेश्वर : राज्य मिशन ऊर्जा विभाग की प्रमुख सचिब सुजाता कार्तिकेयन और दो अन्य वरिष्ठ अधिकारी पार्टी वोटर पर दबाव बनाने और बिजेड़ी के पक्ष में वोट जीतने के लिए काम कर रहे हैं। बीजेपी ने आज चुनाव आयोग का ध्यान इस ओर आकर्षित किया और उनके खिलाफ तत्काल कार्रवाई की मांग की। वहीं, बीजेपी ने कहा है कि चूंकि राज्य सड़क परिवहन निगम की बस यात्री टिकट पर मुख्यमंत्री नवीन पटनायक की तस्वीर है, इसलिए यह चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन है।

महापात्रा के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने आज राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी से मुलाकात की और शिकायत की कि कैसे सरकारी अधिकारी और शासक बीजेजे चुनावों को प्रभावित कर रहे हैं। बीजेपी ने आरोप लगाया कि लोकतांत्रिक देश में चुनाव स्वतंत्र, निष्पक्ष और निष्पक्ष होने चाहिए। लेकिन कुछ सरकारी अधिकारी अब



सत्ताधारी दल के सहारे आम चुनाव को प्रभावित करने की कोशिश कर रहे हैं। राज्य मिशन शक्ति विभाग के दो वरिष्ठ अधिकारी अंबिका दास और विनोद जेना सरकारी फंडिंग पर मिशन शक्ति के सदस्यों के माध्यम से सीधे सत्तारूढ़ दल की राजनीतिक गतिविधियों का प्रबंधन कर रहे हैं मिशन शक्ति की शासकीय अधिकारी अंबिका दास एवं बीजेडी के संपादक प्रणब प्रकाश दास के संयुक्त प्रयास से एक व्हाट्सएप ग्रुप बनाया गया है। जिसमें एमबीके, बैंक मित्र सरकारी फंड से प्रचार-प्रसार में जुटे हैं। और ये सब काम विभाग की प्रमुख और मिशन की सचिव आईएएस सुजाता कार्तिकेयन के नेतृत्व में किया जा रहा है। वे विभिन्न समयों पर लोगों को बिजेड़ी सभाओं में भेजने में मदद कर रहे हैं। वह 3 साल से अधिक समय से एक ही स्थान पर हैं और सत्तारूढ़ दल के सभी कार्यों का प्रबंधन कर रहे हैं, जो आदर्श चुनाव कानून का उल्लंघन है। यह एक दंडनीय

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क: 9212122095, 9811902095. newstransportvishesh@gmail.com (इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। RNI No:- DELHIN/2023/86499. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023